दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 181
कोटद्वार शनिवार
28 अक्टूबर 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है,
अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

पूर्व सीएम हरीश रावत को सीबीआई ने अस्पताल में थमाया नोटिस

देहरादून। पूर्व सीएम हरीश रावत, पूर्व कैबिनेट मंत्री सहित दो विधायकों को सीबीआई ने आज शुक्रवार को नोटिस थमाया है। चारों नेताओं को दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। सीबीआई अधिकारियों ने पूर्व सीएम रावत को अस्पताल में ही नोटिस दिया है।

विदित हो कि पूर्व सीएम हरीश रावत की कार दो दिन पहले डिवाइडर से टकरा गई थी, जिसमें पूर्व सीएम रावत चोटिल हो गए थे। वह जौलीग्रांट अस्पताल में जांच कराने के लिए पहुंचे थे। 2016 के चर्चित स्टिंग प्रकरण में सीबीआई ने पूर्व सीएम हरीश रावत, पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत के साथ ही विधायक उमेश कुमार और मदन बिष्ट को वॉयस सैम्पल देने के साथ ही पूछताछ के लिए तलब किया है। चारों नेताओं को अलग- अलग तिथियों पर सीबीआई मुख्यालय बुलाया गया है। इस चर्चित प्रकरण में बीते दिनों सीबीआई ने कोर्ट से वॉयस सैम्पल की अनुमति मांगी थी, अब इसी क्रम में जांच एजेंसी ने चारों नेताओं को नोटिस देकर सीबीआई मुख्यालय तलब किया है। पूर्व सीएम हरीश रावत इन दिनों एक्सीडेंट के

बाद जॉलीग्रांट अस्पताल में भर्ती हैं, शुक्रवार को जांच एजेंसी ने अस्पताल पहुंचकर ही हरीश रावत को नोटिस सौंपते हुए, छह नवंबर को दिल्ली मुख्यालय पहुंचने के लिए कहा है। इसी तरह शुक्रवार सुबह ही एजेंसी ने हरक सिंह रावत के घर पर पहुंच उन्हें सात नवंबर को जांच एजेंसी के सामने पेश होने को कहा है। विधायक उमेश कुमार ने बताया कि उन्हें भी एजेंसी ने आठ नवंबर को बुलाया है, उन्होंने इसे सामान्य प्रक्रिया करार देते हुए कहा कि वो पहले भी इस प्रकरण में सीबीआई के सामने अपना पक्ष रख चुके हैं इधर, द्वाराहाट के विधायक मदन बिष्ट ने बताया कि उनको भी एजेंसी की तरफ से फोन आया था, गांव में होने के कारण फिलहाल नोटिसं नहीं मिल पाया है। लेकिन फोन पर ही एजेंसी ने नौ नवंबर को दिल्ली मुख्यालय में पेश होने को कहा है। हरक सिंह रावत ने बताया कि एजेंसी ने वॉयस सैम्पल के साथ ही सवाल के जवाब भी लिए जाने की जानकारी दी है।

अस्पताल में नोटिस देने पर हरीश ने जताई नाराजगी

हरीश रावत ने समाचार एजेंसी आरएनएस से बातचीत में कहा कि सबको पता था कि वो एक्सीडेंट के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। ऐसे में एजेंसी को नोटिस देने के लिए कम से कम अस्पताल आने से बचना चाहिए था। वो कोई भगोड़ा नहीं है, नहीं उनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है, इसलिए इस तरह नोटिस देना ठीक नहीं है।

हरीश रावत ने बताया कि उन्होंने एजेंसी को लिखकर दे दिया है कि अभी उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है, इसलिए इस काम के लिए दिसंबर में कोई तिथि तय की जाए। अभी वो स्वास्थ्य कारणों से लंबे समय तक बैठकर, सवालों के जवाब देने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने बताया कि वो इस विषय पर कानूनी राय लेकर ही आगे कदम उठाएंगे।

हरक बोले केस वापसी के लिए कर चुका आवेदन

हरक सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए समाचार एजेंसी से कहा कि इस केस में अब कुछ दम नहीं बचा है। तब से दो बार प्रदेश में सरकार बदल चुकी है। इसलिए उन्होंने नैनीताल हाईकोर्ट में केस दायर कर, सीबीआई जांच समाप्त करने की मांग की है। जिसकी सुनवाई एक नवंबर को होनी है। हरक सिंह के मुताबिक उनकी अपील पर ही नैनीताल हाईकोर्ट ने इस केस को सीबीआई को सौंपा था, इस कारण मूल वादी होने के कारण उन्होंने जांच समाप्त करने का निर्णय लिया है। शेष वो अपने वकील से सलाह के बाद ही कोई कदम उठाएंगे। विहित है कि 2016 में राजनैतिक अस्थिरता के समय यह स्टिंग ऑपरेशन हुआ था, जिसमें विधायकों को प्रलोभन दिए जाने के आरोप लगे थे।

सूतक के कारण बंद रहेंगे चारों धाम के कपाट

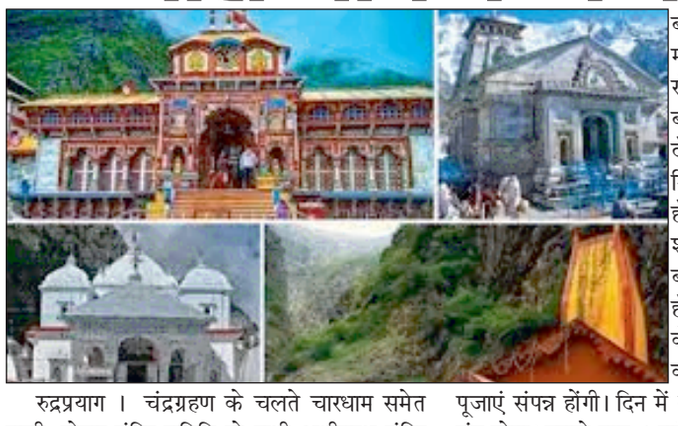

रुद्रप्रयाग । चंद्रग्रहण के चलते चारधाम समेत बदरी-केदार मंदिर समिति के सभी अधीनस्थ मंदिर के कपाट 28 अक्टूबर की शाम 4 बजे बंद कर दिए जाएंगे बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय की मानें तो ग्रहण काल का समय 28 अक्टूबर रात 1 बजकर 4 मिनट पर है, लेकिन 9 घंटे पहले सूतक काल शुरू हो रहा है, जिसके चलते बदरीनाथ, केदारनाथ समेत अन्य मंदिरों के कपाट शाम 4 बजे बंद हो जाएंगे। जबकि, 29 अक्टूबर यानी रविवार की सुबह ब्रह्म मुहूर्त में शुद्धिकरण के बाद मंदिर खोल दिए जाएंगे। उधर, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट भी सूतक काल में बंद कर दिए जाएंगे।बता दें कि, चारधाम में शुमार बदरीनाथ धाम में कल सुबह यानी 28 अक्टूबर को 11 बजे राजभोग लगाया जाएगा। इसके बाद सफाई आदि के लिए मंदिर दो बजे तक बंद रहेगा। दोबारा दोपहर 2 बजे मंदिर खोला जाएगा। दोपहर 2 बजकर 10 मिनट सायं कालीन आरती होगी जबकि, साढ़े 3 बजे शयन आरती, फिर शाम 4 बजे बदरीनाथ मंदिर बंद हो जाएगा। वहीं, केदारनाथ मंदिर में प्रातः कालीन रुद्राभिषेक और पूजाएं संपन्न होंगी। दिन में कुछ देर केदारनाथ मंदिर बंद रहेगा। उसके बाद 4 बजे तक श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। वहीं, शाम 4 बजे केदारनाथ मंदिर के कपाट सूतक काल के चलते बंद कर दिया जाएगा। जबकि, 29 अक्टूबर की सुबह मंदिर का शुद्धिकरण किया जाएगा। इसके बाद महाभिषेक, रुद्राभिषेक समेत सभी पूजाएं अपने नियत समय पर होंगी।बदरी केदार मंदिर समिति के अधीनस्थ मंदिरों नृसिंह मंदिर जोशीमठ, द्वितीय केदार मद्महेश्वर, तृतीय केदार तुंगनाथ समेत ओंकारेश्वर मंदिर, योग बदरी पांडुकेश्वर, भविष्य बदरी तपोवन, त्रियुगीनारायण मंदिर, विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी, कालीमठ मंदिर के साथ पंच बदरी मंदिरों में ग्रहण के दौरान इसी तरह पूजा व्यवस्था की जाएगी।"

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी वाल्मीकि जयंती की शुभकामनाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को वाल्मीकि जयंती की शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने वाल्मीकि जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने सामाजिक सद्भाव और समानता का संदेश दिया। महर्षि वाल्मीकि जमीन की सतह से धर्म की पराकाष्ठा प्राप्त करने वाले एक ममर्ज्ञ महात्मा थे, जिन्होंने आदि काव्य रामायण जैसी कालजयी रचना कर समाज को सत्य, कर्त्तव्यनिष्ठा एवं संमार्ग पर चलने का मार्ग दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा दी गई सामाजिक समरसता, सद्भाव तथा मानवता जैसे नैतिक मूल्यों की आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिकता है। उनके विचार एवं आदर्श हमें समतामूलक समाज की स्थापना की प्रेरणा देते रहेंगे। हम सभी को महर्षि वाल्मीकि के महान दृष्टिकोण एवं उनके द्वारा दी गई शिक्षा को अपने व्यवहार में अपनाने का संकल्प लेना होगा।

मुख्यमंत्री ने दि बीटल्स एण्ड दि गंगा फेस्टिवल का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने पौड़ी जिले की 422.44 लाख की तीन योजनाओं का किया लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को स्वर्गाश्रम, यमकेश्वर, पौड़ी में 'दि बीटल्स एण्ड दि गंगा फेस्टिवल -2023' का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने जनपद पौड़ी की 422.44 लाख रूपये की 3 योजनाओं का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री 224 लाख की लागत से स्वर्गाश्रम में जानकी सेतु से परमार्थ निकेतन तक आस्था पथ निर्माण कार्य, 48.03 लाख की लागत से गंगा पद यात्रा के अंतर्गत चारधाम पौराणिक हरिद्वार-बद्रीनाथ पैदल मार्ग के विभिन्न स्थानों पर रेलिंग कार्य एवं 150.41 लाख की लागत से क्षतिग्रस्त वेद निकेतन घाट की मरम्मत कार्य, आपदा राहत बचाव कार्य हेतु हैलीपैड एवं पार्किंग निर्माण कार्य का लोकापर्ण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर आगे बढ़ रहा है। दि बीटल्स एण्ड दि गंगा फेस्टिवल का आयोजन भारतीय संस्कृति के विभिन्न घटकों योग, शास्त्रीय संगीत, नृत्य,

कला, प्रतिष्ठित परम्पराओं आदि को उत्सव के रूप में मनाने का एक प्रयास है तथा स्थानीय सभ्यता एवं परम्पराओं को विश्व में प्रदर्शित करने की एक पहल है। फेस्टिवल के माध्यम से उत्तराखण्ड को एक नई ऊर्जा मिलेगी, एवं माँ गंगा के आशीर्वाद से अपनी लोक संस्कृति को वैश्विक स्तर पर फैला सकेगें। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृति, अध्यात्म तथा संगीत में एक गहरा सम्बन्ध है। विश्व प्रसिद्ध बीटल्स बैंड ने पाश्चात्य सभ्यता को यह दिखाया कि किस प्रकार आत्मा तथा संगीत मिश्रित होकर अध्यात्म में विलीन हो सकते हैं। 50 वर्ष पूर्व बीटल्स के सदस्यों ने इसी पावन भूमि से प्रेरित होकर ऐसा संगीत बनाया जिसकी महक पूरे विश्व ने महसूस की। उन्होंने कहा कि योग तथा मनोसाधना से मानव जीवन के किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की जा सकती है। हमारे देश की प्राचीन और महान संस्कृति ने ही सर्वप्रथम ''वसुधैव कुटुम्बकम'' अर्थात ''समस्त विश्व एक परिवार है'' की अवधारणा विश्व के समक्ष रखी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के महापुरुषों ने एकता व सद्भावना के माध्यम से मानव समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किए भगवान बद्री विशाल के दर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : भारत के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपनी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड के साथ भगवान बद्री विशाल के दर्शन किए और देश की एकता, अखंडता और विश्व शांति के लिए प्रार्थना की। भू-बैकुंठ धाम की अलौकिक सुंदरता देख उपराष्ट्रपति अभिभूत दिखे। मंदिर से निकलते समय उन्होंने हाथ हिलाकर बद्रीनाथ धाम पहुंचे श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। इस दौरान उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। उप राष्ट्रपति अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को वायुसेना के विशेष विमान से बद्रीनाथ आर्मी हेलीपैड पहुंचे। हेलीपैड पर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव के साथ ही अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। यहां से उपराष्ट्रपति कार से बद्रीनाथ मंदिर पहुंचे। मंदिर में करीब 25 मिनट तक बद्री विशाल की वेदपाठ एवं विशेष पूजा की। बद्रीनाथ के मुख्य पुजारी रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी एवं तीर्थपुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा संपन्न की और प्रसाद स्वरूप उन्हें बद्री तुलसी माला, बद्री प्रसाद और अंग वस्त्र भेंट किए। मंदिर परिसर में जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने उपराष्ट्रपति को

भोजपत्र पर अंकित बद्री विशाल की आरती, स्मृति चिन्ह एवं स्थानीय उत्पादों की टोकरी भेंट की। वहीं श्री बद्री केदार मंदिर समिति के उपाध्यक्ष किशोर पंवार, उप मुख्य कार्याधिकारी कुमकुम जोशी, प्रभारी अधिकारी अनिल ध्यानी, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ एवं अन्य पदाधिकारियों ने उपराष्ट्रपति का फूल मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत संचालित पुनर्निर्माण कार्यों की जानकारी भी ली और विपरीत एवं कठिन परिस्थितियों में इस चुनौतीपूर्ण कार्य को आगे बढ़ाने के लिए पूरी टीम की प्रशंसा करते हुए बधाई दी। उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर प्रशासन द्वारा बद्रीनाथ धाम में सुरक्षा के कड़े इंतेजाम किए गए थे। साथ ही कंटीजेंसी प्लान के तहत गौचर में भी सभी व्यवस्थाएं रखी गई थी। इस मौके पर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, एडीएम डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, एसडीएम कुमकुम जोशी, ईओ सुनील पुरोहित, सदस्य भाष्कर डिमरी सहित विभिन्न व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारी मौजूद थे।

ईरान की इजरायल को खुली धमकी, अगर गाजा में घुसे, तो वहीं दफना देंगे

इजराइल, एजेंसी। इजराइल और हमास के बीच जारी जंग के 20वें दिन में प्रवेश कर गई है। गाजा पर इजरायली बमबारी जारी है और हमले में हमास के एक और कमांडर के मारे जाने को दावा किया गया है। इसी बीच अब ईरान ने इजरायल को खुली धमकी दे डाली है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स के कमांडर इन चीफ जनरल होसिन सलामी ने कहा कि अगर इजरायल ने गाजा में कदम रखा तो उसे वहीं दफना दिया जाएगा। इजरायल बमबारी के अलावा कुछ भी नही कर सकता। फिर भी अगर इजरायली सेना गाजा में घुसती है, तो उन्हें वही निगल लिया जाएगा। हमलों में अब तक 7000 हजार फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। दूसरी तरफ इजरायल ने सीरिया पर भी मिसाइलें दागी हैं, जिससे आठ सीरियाई सैनिकों की मौत हो गई है। इसी बीच हमास के एक सीनियर लीडर खालिद मेशाल ने कहा है कि वह इजराइल से पकड़े गए लोगों को तभी रिहा करेंगे, जब गाजा पर हमले रुक जाएंगे। मेशाल ने यह भी बताया है कि इजराइल के हमलों में अब तक 22 बंधकों की मौत हो चुकी है।

राशन घोटाला: प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किए पश्चिम बंगाल के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य में कथित करोड़ों रुपए के राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में लंबी पूछताछ के बाद शुक्रवार तड़के उनके साल्ट लेक स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया। श्री मल्लिक को पहले सीजीओ कॉम्प्लेक्स ले जाया गया और बाद में उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए ईएसआई अस्पताल ले जाया गया, इसके बाद उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।श्री मल्लिक ने गिरफ्तारी के बाद कहा कि मैं गहरी साजिश का शिकार हूं। सूत्रों के अनुसार ईडी ने गुरुवार को श्री मल्लिक के साल्ट लेक स्थित फ्लैट और दमदम के नागर बाजार स्थित उनके पूर्व निजी सहायक के घरों पर एक साथ छापेमारी की। कथित तौर पर मंत्री के साथ संबंध रखने वाले व्यवसायी बकीबुर रहमान की गिरफ्तारी के बाद कम से कम आठ स्थानों पर छापेमारी शुरू हुई।

यह छापेमारी महामारी की अवधि के दौरान राशन वितरण में कथित अनियमितताओं के बाद की जा रही है, जब श्री मल्लिक राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री थे। सूत्रों ने कहा कि इसके अलावा साल्ट लेक (कोलकाता) इलाके में श्री मल्लिक के दो फ्लैटों, दम दम में नागर बाजार में दो अन्य फ्लैटों और नागर बाजार में भगवती पार्क में एक अन्य घर पर भी एक साथ छापेमारी की जा रही है। तीन अन्य जगहों पर छापेमारी की जा रही है। श्री मल्लिक उत्तर 24 परगना के हाबरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बोली

लिफाफे वाले बयान से भड़के भाजपा वालों ने मुझ पर कर दिया केस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देवनारायण मंदिर में लिफाफे में 21रुपए के चढ़ावे संबंधी उनके बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वाले इतने भड़के हैं कि इस बात पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया है।

श्रीमती वाड्रा ने आज खुद यह जानकारी देते हुए कहा "मेरी एक बात पर भाजपा वाले इतने भड़क गए कि मुझ पर केस डाल दिया।" उन्होंने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा, "मैंने तो ये कहा था कि मैंने टीवी पर देखा- प्रधानमंत्री जी देवनारायण जी के मंदिर में लिफाफा डाल आए। खोला गया तो उसमें 21 रुपये निकले। ये जो काम करते हैं उससे भी यही दिख रहा है कि मोदी जी का लिफाफा खाली है।

बदलती वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति से सीख ले भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत को बदलती वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति से सीखना चाहिए। रक्षा मंत्री ने भारतीय वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों से तैयारियों को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देने के लिए कहा। रक्षा मंत्री ने कहा कि तीनों सशस्त्र सेवाओं को एक साथ मिलकर सुरक्षा की चुनौतियों से निपटना चाहिए। राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में दो दिवसीय वायुसेना कमांडरों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। श्री सिंह ने कहा कि वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य से नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। हमें उनसे निपटने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

मुस्लिम लीग की रैली में इस्राइल का समर्थन कर गए शशि थरूर

तिरुवअनंतपुरम , एजेंसी। केरल में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने गुरुवार को फलस्तीन के समर्थन में एक विशाल रैली का आयोजन किया। इस रैली में कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य शशि थरूर अपने एक बयान में इस्राइल का समर्थन कर गए और उन्होंने हमास के हमले को आतंकी घटना बता दिया। अब थरूर के इस बयान पर हंगामा हो गया है और कई वामपंथी नेताओं ने थरूर के बयान की आलोचना की है।

सीपीआईएम के नेता और पूर्व विधायक एम स्वराज ने कहा कि थरूर के कुछ बयान इस्राइल समर्थक थे और थरूर ने यह

स्वीकार नहीं किया कि इस्राइल एक आतंकी देश है। स्वराज ने कहा कि थरूर का बयान ऐसा था जैसे आईयूएमएल की कीमत पर इस्राइल एकजुटता बैठक की गई हो। स्वराज ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि 'थरूर इस बात को लेकर सुनिश्चित थे कि फलस्तीन की तरफ से जो किया गया, वह एक आतंकी हमला था जबकि वह लोग अपना 90 फीसदी देश इस्राइल के हाथों खो चुके हैं।'

सीपीआईएम नेता ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि थरूरत को उनके शब्दों का मतलब ना पता हो। साथ ही वह इस विवाद के इतिहास से भी वाकिफ ना हों, ये भी नहीं हो सकता लेकिन इसके बावजूद थरूर ने इस्राइल को आतंकी देश नहीं माना।

सीएम धामी ने अस्पताल पहुँचकर पूर्व सीएम हरीश रावत की कुशलक्षेम जानी

देहरादून। नई दिल्ली से लौटे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट से सीधे हिमालयन हॉस्पिटल जौलीग्रांट, देहरादून पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिमालयन हॉस्पिटल जौलीग्रांट में भर्ती पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कुशलक्षेम जाना एवं उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

उत्तराखंड के स्कूली पाठ्यक्रम से हटेगा इंडिया शब्द, शिक्षा मंत्री धन सिंह ने किया एलान

देहरादून। उत्तराखंड में विद्यालयी शिक्षा के पाठ्यक्रम में इंडिया शब्द का स्थान भारत लेगा। नेशनल काउंसिल आफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) की ओर से गठित उच्च स्तरीय समिति की इस संबंध में संस्तुति को प्रदेश में क्रियान्वित किया जाएगा। शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रविधानों के अंतर्गत प्रदेश के स्कूली पाठ्यक्रम में ह्यहमारी विरासतह्ल पुस्तक सम्मिलित की जाएगी। पुस्तक के संकलन को पांच सदस्यीय समिति गठित की गई है।शिक्षा मंत्री डा धन सिंह रावत ने बताया कि एनसीईआरटी की समिति की संस्तुतियों को प्रदेश के शैक्षिक पाठ्यक्रम में लागू करने के निर्देश स्टेट काउंसिल आफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी) के निदेशक को दिए गए हैं। समिति ने सभी पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रारंभ करने की संस्तुति भी की है। राज्य सरकार स्कूली पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा को सम्मिलित करने का निर्णय ले चुकी है। इस कड़ी में हमारी विरासत पुस्तक को पहले चरण में कक्षा छह से आठवीं तक लागू किया जाएगा।

अभिनेत्री डीना उप्पल हुई परमार्थ निकेतन की गंगा आरती में शामिल

ऋषिकेश। प्रख्यात अभिनेत्री और मिस इंडिया यूके 2012 की विजेता, माडल, निर्देशक, कास्टिंग डायरेक्टर डीना उप्पल ने परमार्थ निकेतन की गंगा आरती में शामिल होकर आशीर्वाद लिया। अभिनेत्री डीना उप्पल ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती से भेंट का आशीर्वाद लिया। साथ ही अपनी आध्यात्मिक जिज्ञासाओं का समाधान किया।

स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि सिनेमा, साहित्य और संस्कारों के बीच गहरा संबंध है। तीनों परस्पर अलग–अलग विधाएं हैं परंतु तीनों में काफी गहरा और पारस्परिक संबंध है। जिस प्रकार साहित्य में श्रेष्ठबोधता है, सीमाएं हैं उसी प्रकार फिल्मों में भी होना जरूरी है। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि फिल्में केवल मनोरंजन का ही साधना न हो बल्कि फिल्मों के माध्यम से उचित संदेश और मर्म पहुंचाना आवश्यक है। जिस प्रकार साहित्य केवल मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि एक वृहद उद्देश्य के लिए होता हैं उसी प्रकार थियेटर व सिनेमा भी उद्देश्यपरक हो तो अत्यंत उपयोगी और प्रभावी होगा।

डीना उप्पल ने कहा कि वास्तव में उत्तराखंड ध्यान और योग की धरती है। यहां आकर मैंने देखा कि यह तो स्वर्ग है। परमार्थ निकेतन, उत्तराखंड में आना, यहां पर होना वास्तव में शांति देना वाला क्षण है। यहां का पूरा वातावरण अद्भुत है, अलौकिक है और स्वर्ग है। मैंने गंगा आरती के विषय में जिताना भी सुना था आज जाना कि वास्तव में यह वे क्षण होते हैं जो मन को शांति व दिव्यता की ओर लेकर जाते हैं।

स्वामी चिदानंद सरस्वती ने रुद्राक्ष की माला और रुद्राक्ष का दिव्य पौधा अभिनेत्री डीना उप्पल को भेंट किया। वहीं डीना उप्पल ने मां शबरी रामलीला का मंचन करने वाले सभी कलाकारों से भी भेंट की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भट्ट का कांग्रेस निशाना

देहरादून। भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति का विरोध करने का कोई नैतिक आधार नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि जिन्होंने श्री राम मंदिर का हमेशा विरोध किया, उन्हें ही सनातन ध्वजवाहक मोदी के इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर आपत्ति है।

आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्री राम लला के विराजने पर प्रतिक्रिया देते हुए भट्ट ने इसे अरबों–खरबों सनातनियों के पांच सौ वर्ष पुराने स्वप्न के साकार होने वाला बताया। उन्होंने कहा कि लाखों रामभक्तों के बलिदान के बाद आखिरकार वह गौरवमयी क्षण आया है, जब भारतीय संस्कृति के शीर्ष प्रभु श्री राम अपनी जन्मस्थली में भक्तों को दर्शन देंगे। इससे देवभूमि में भी हर्षोल्लास का माहौल है ।

राम मंदिर का विरोध करने वालों को बोलने का नहीं अधिकार

उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति पर सवाल करने को लेकर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि हमेशा श्री राम मंदिर का विरोध करने वालों को इस विषय पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। यही कांग्रेस प्रभु श्री राम के काल्पनिक होने का शपथ पत्र सौंपती थी और इन्होंने ही कोर्ट में मंदिर के पक्ष में संभावित फैसले को लटकाने की हरसंभव कोशिश की।

श्री राम जन्मभूमि के पक्ष में निर्णय आने के बाद भी जिनके शीर्ष नेताओं ने यहां आने की आवश्यकता नहीं समझी, वही आज सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस अवसर पर शामिल होने पर आपत्ति कर रहे हैं।

उत्तराखंड में फिल्मों के उत्थान पर हुई चर्चा

देहरादून। शकुंतलम फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीट्यूट के कार्यक्रम में उत्तराखंड में फिल्मों के उत्थान पर जोर दिया गया। प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में चेयरमैन शिवनारायण सिंह रावत ने कहा कि सिनेमा से जुड़े व्यवसाय को जीवित रखना समस्या बन गया है।

जो फिल्म बनाता है, उसे सिनेमा घर नही मिल पाता है, यदि मिल भी जाता है तो उनका किराया चुकाना मुश्किल हो जाता है, जिससे उत्तराखंड में फिल्मों का उत्थान नही हो पा रहा है। बताया कि समस्या के समाधान के लिए उन्होंने अपने मित्र राकेश भदोरिया के साथ योजना बनाई है, उनकी एक कंपनी भी है, जो दृष्टि प्लेयर का संचालन करती है, जहां निशुल्क फिल्में दिखाई जाती है और भारत की सभी भाषाओं की फिल्मों का प्रदर्शित करते हैं। बताया कि इससे उत्तराखंड में भी फिल्मों का विकास होगा।

योगानुभाव आश्रम में ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप का समापन

हरिद्वार। खड़खड़ी स्थित योगनुभाव आश्रम में ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप का समापन हुआ। जिसमें महाराज विश्वास पूरी के सानिध्य में एवं मुख्य अतिथि महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने बच्चों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। जिसमें मुख्य रूप से गोल्ड मेडल प्राप्त करने वालो में सीमा, रीना, गीता, सिद्धार्थ, अर्जुन, विकास, जतिन, अश्वनी एवं सिल्वर मैडल पाने वालो में गौरव, हिमांशु, यशवीर, ब्रांज मैडल में रूपेश मयंक प्रीतम विवेक सम्मानित किए गए।

सुनील सेठी ने कहा कि आज के युग में जहा छोटे बच्चे वीडियो गेम, रील बनाने में व्यस्त हैं। ऐसे में छोटे बच्चे घरों से दूर आत्मरक्षा के गुण सीखकर देश को और आगे बढ़ाने का संकल्प ले रहे हैं। ऐसे बच्चो को प्रोत्साहित करना चाहिए जो आत्मरिर्भर देश निर्माण की रीड है। आयोजक मंडल के कोच रोहित वर्मा द्वारा बताया कि हर वर्ष हरिद्वार में ये आयोजन किया जाता है जिसमे पिछले 4 वषो से योगनुभाव आश्रम में आयोजन होता है। जिसमें 7 साल से 18 साल तक के बच्चे विभिन्न राज्यों से पहुंचते हैं और आत्मरक्षा एवं निर्बल रक्षा को अभ्यास कर विशेष रूप से आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लेते है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला मंत्री रवि बांगा, आयोजक मंडल नवीन कुमार, विनोद कुमार, कृष्ण कुमार, अर्जुन कुमार, नरेंद्र कुमार, विकास शर्मा,रोहित कुमार उपस्थित रहे।

अग्रसेन जयंती पर किया हवन यज्ञ

रुड़की(। युवा अग्रवाल सभा के तत्वावधान में अग्रवाल भवन साकेत में महाराज अग्रसेन जयंती समारोह में हवन–यज्ञ कर राष्ट्र की एकता और वैश्य समाज की सुख समृद्धि की कामना की। आचार्य रमेश सेमवाल ने मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ कराया। अतिथि समाजसेवी नवीन कुमार जैन ने समाज की एकता पर बल दिया और देश को आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

एक नजर

जनपद में खेल महाकुम्भ 2023 की तैयारियां पूरी : चमन सिंह चौहान

देहरादून। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बालक, बालिकाओं के अंदर विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में छुपी हुई प्रतिभाओं को आगे लाने के साथ ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को चिन्हित करने हेतु खेल महाकुंभ शुरू होने वाला है। युवा कल्याण विभाग देहरादून ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है। शुक्रवार को जानकारी देते हुए जिला युवा कल्याण अधिकारी चमन सिंह चौहान ने बताया कि जनपद में खेल महाकुम्भ 2023 की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। आगामी 31 अक्टूबर से जनपद में न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरू हो जाएगी। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारियों को प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले बालक बालिकाओं को पंजीकरण फार्म उपलब्ध करा दिए गए है। इस हेतु पंचायत राज विभाग, खेल एवं शिक्षा विभाग का भी सहयोग लिया जा रहा है। जिला युवा कल्याण अधिकारी चौहान ने बताया कि खेल महाकुंभ में विभिन्न प्रतियोगिता में पहले से तीसरे स्थान पाने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार के रूप में नकद धनराशि,विजेता प्रमाण पत्र व मेडल दिए जाएंगे। न्याय पंचायत स्तर पर पहले से तीसरा स्थान पाने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः तीन सौ, दो सौ व डेढ़ सौ रुपये व विजेता प्रमाण पत्र और मेडल दिए जाएंगे। इसी तरह विकास खंड स्तर पर पांच सौ,चार सौ व तीन सौ रुपये एवं विजेता प्रमाण पत्र व मेडल दिए जाएंगे। तथा जनपद स्तर पर आठ सौ,छह सौ,चार सौ रुपये एवं विजेता प्रमाण पत्र व मेडल दिए जाएंगे।

31 अक्टूबर को होगी प्रवर समिति की बैठक

देहरादून। राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को सरकारी नौकरी में 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण दिए जाने के मामले में गठित विधानसभा प्रवर समिति की बैठक आगामी 31 अक्टूबर को होगी।संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि उक्त बैठक विधानसभा स्थित कक्ष संख्या 120 में दोपहर डेढ़ बजे होगी।

सीडीओ प्रतीक जैन की अध्यक्षता में हुई जिला सहकारी विकास समिति की समीक्षा बैठक

हरिद्वार। प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में शुक्रवार को रोशनाबाद स्थित विकास भवन के सभागार में जिला सहकारी विकास समिति की एक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी को बैठक में कोआपरेटिव विभाग के अधिकारियों ने सहकारी समितियों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। प्रतीक जैन ने बैठक में अन्न भण्डारण योजनान्तर्गत भूमि चयन की अद्यतन क्या प्रगति है, के सम्बन्ध में जानकारी ली तो अधिकारियों ने बताया कि इस सम्बन्ध में एक–दो जगह स्कूलों की अतिरिक्त भूमि का चयन किया गया है, जिसके अन्तर्गत प्रक्रिया चल रही है। इस पर प्रभारी जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस सम्बन्ध में बिल्कुल भी विलम्ब न करते हुये इसका प्रस्ताव जल्द से जल्द प्रस्तुत करें। प्रधानमंत्री जन सेवा केन्द्र स्थापित किये जाने की प्रगति की

जानकारी देते हुये अधिकारियों ने बताया कि सहकारिता के माध्यम से जनपद में 38 जनसेवा केन्द्र स्थापित किये जाने का प्रस्ताव है, जिसके लिये सभी तरह की औपचारिकतायें पूर्ण कर ली गयी हैं, जिन्हें जल्दी ही स्थापित कर दिया जायेगा। इस पर प्रभारी जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जन सेवा केन्द्र स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में जो भी मानक हैं, वे पूर्ण होने चाहिये। इसके अतिरिक्त ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर से सम्पर्क स्थापित करते हुये, जिन्हें जन सेवा केन्द्र संचालित करना है, उन्हें प्रशिक्षण दिलायें तथा उसकी रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। समीक्षा बैठक में सहकारिता विभाग के माध्यम से प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में चर्चा हुई, जिसकी जानकारी देते हुये अधिकारियों ने बताया कि जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड में सहकारिता के माध्यम से एक जन औषधि केन्द्र स्थापित करने की योजना है, जिसमें से चार जन औषधि केन्द्र स्थापित करने की औपचारिकतायें पूर्ण कर ली गयी हैं तथा दो जन औषधि केन्द्र स्थापित करने की कार्यवाही प्रगति पर है।

इस पर प्रतीक जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इनके अलावा भी जनपद में जहां भी जन औषधि केन्द्र खोले जाने की संभावनायें हैं, उसकी भी संभावनायें तलाशी जायें। प्रतीक जैन ने बैठक में अधिकारियों से माधो सिंह भण्डारी संयुक्त सहकारी खेती योजना के अन्तर्गत लेमनग्रास, फ्लोरीक्लचर/सब्जी उत्पादन एंव पोल्ट्री वैली परियोजना आदि के सम्बन्ध में जानकारी ली तो अधिकारियों ने बताया कि जनपद के बहादराबाद व भगवानपुर में सहकारिता के माध्यम से फूलों की खेती की जा रही है तथा लेमनग्रास के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि सहकारी खेती के अन्तर्गत जनपद में 362 एकड़ क्षेत्र में मक्के की खेती की जा रही है तथा भगवानपुर में मक्के की पैकेजिंग के लिये प्लाण्ट स्थापित करने की योजना है तत्पश्चात मक्के के क्षेत्रफल में और वृद्धि होने की सम्भावना है।

बैठक में प्रभारी जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र, सब्जी उत्पादन, पोल्ट्री वैली परियोजना, एमपैक्स मे कम्प्यूटराईजेशन किये जाने, पेट्रोल पम्पों व गैस गोदामों की स्थापना आदि के सम्बन्ध में भी विस्तार से चर्चा की तथा दिशा–निर्देश दिये।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) दीपेन्द्र सिंह नेगी, ए0आर0 कोआपरेटिव पी0एस0 पोखरिया, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 योगेश शर्मा, शाखा प्रबन्धक प्यारे लाल, समस्त सहायक विकास अधिकारी, राजकीय पर्यवेक्षक, सचिव सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

50 लीटर अवैध कच्ची शराब पकड़ी, 1800 लीटर लाहन किया नष्ट

हरिद्वार। पथरी पुलिस ने शराब बनाने वाले सम्भावित ठिकानों पर दबिश देकर 50 लीटर अवैध कच्ची शराब पकड़ी है। पुलिस ने मौके से 1800 लीटर लाहन व भट्टी उपकरण भी बरामद किए है। मौके से मिले लाहन को नष्ट किया गया है। पुलिस के अनुसार पथरी के गांव दिनारपुर व जंगल मे भट्टिया लगाकर बनाई जा रही कच्ची शराब के खिलाफ पुलिस ने छापेमारी करते हुए मौके से 50 लीटर कच्ची शराब व भट्टी उपकरणों बरामद किया है। पुलिस ने मौके पर मिले 1800 लीटर लाहन को नष्ट कर भट्टी उपकरणों को सील कर दिया है। मौके से फरार आरोपी व्यक्तियों के नाम कविराज पुत्र जशविन्दर, सोनित पुत्र कश्मीरा निवासी दिनारपुर है जो मौके से पुलिस की भनक लगने के बाद भाग निकले।

आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। एसओ पथरी रविन्द्र कुमार ने बताया मुख़बिर की सूचना पर जंगलों से शराब व भट्टिया पकड़ी है।

आईआईटी और कात्यायिनी पेपर मिल के बीच करार

रुड़की। आईआईटी ने कात्यायिनी पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक साझेदारी की घोषणा की है। यह सहयोग पैकेजिंग के माध्यम से खाद्य हानि और अपशिष्ट रोकथाम की रणनीतियों पर ध्यान केन्द्रित करने और उन्नत पैकेजिंग अनुसंधान प्रयोगशाला के विकास के लिए भी होगा। आईआईटी दो प्रमुख कंपनियों गुजरात में शाह पेपर मिल्स और पंजाब के मुक्तसर में सैटिया पेपर मिल्स के साथ पहले ही एमओयू साइन कर चुका है। आईआईटी के निदेशक प्रोफेसर केके पंत ने कहा कि आईआईटी आरडीएफ की भूमिका, संस्थान एवं उसके लाभार्थियों के बीच की खाई को पाटकर संस्थान की उत्कृष्टता की खोज को सुविधाजनक बनाना है।

प्रेमी ने छीन लिया जब सुकून और चैन, प्रेमिका ने पुलिस से की कार्रवाई की मांग

रुड़की। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित एक मोहल्ला निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि करीब तीन माह पूर्व उसकी इंस्टाग्राम पर महाराष्ट्र के एक युवक से दोस्ती हुई थी। दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई और दोनों ने अपने फोटो व नंबर शेयर किए। तीन माह में तीन बार प्रेमी उससे मिलने रुड़की आया। उसने उपहार में उसे 20 हजार की सोने की चेन दी थी। इसके बाद युवक ने उसके परिजनों से मुलाकात कर शादी का प्रस्ताव रखा। इसपर युवती के परिजन राजी हो गए। युवती ने बताया कि इस बीच दोनों का किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद दोनों ने बातचीत बंद कर दी। कुछ दिन पहले युवक की उसके पास कॉल आई और उसने सोने की चेन वापस करन की बात कही। साथ ही धमकी दी कि अगर चेन वापस नहीं की तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। आरोप है कि चेन वापस नहीं करने पर युवक ने इंस्टाग्राम पर उसकी फोटो लगाकर फर्जी आईडी बना ली। साथ ही अश्लील वीडियो और फोटो अपलोड कर दिए। वह रोजाना वीडियो और फोटो डालकर परेशान कर रहा है। युवती ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी आरके सकलानी ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बिजली चोरी पकड़ी

रुड़की। ऊर्जा निगम के खानपुर एसडीओ विवेक गुप्ता, अमरीष कुमार, मोनू और अरविंद कुमार के साथ पोड़ोवाली गांव गए थे। उन्हें महीपाल पुत्र प्रकाश के घर में चोरी की बिजली जलती मिली। वापसी में कान्हावाली निवासी अमन अग्रचाल के घर में भी बिजली चोरी पकड़ी गई।

उत्तराखंड में इस साल नहीं हो पाएंगे निकाय चुनाव

देहरादून। उत्तराखंड में स्थानीय निकायों का प्रशासकों के हवाले होना तय हो गया है। निकायों का कार्यकाल चार दिसंबर को समाप्त होने से पहले चुनाव नहीं हो सकेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने निकायों की निर्वाचक नामावलियों के विस्तृत पुनरीक्षण के लिए दो नवंबर से दो फरवरी, 2024 तक तीन माह की समय सारिणी जारी कर दी है। प्रदेश में निकाय चुनाव के लिए निर्वाचक नामावलियों के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्य अगले माह दो नवंबर से प्रारंभ होगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन दो फरवरी, 2024 को किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त चंद्रशेखर भट्ट ने गुरुवार को प्रदेश के नगर निगमों, नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों की निर्वाचक नामावलियां तैयार करने के लिए

समयसारिणी की अधिसूचना जारी की।

साल 2018 में हुआ था पिछला निकाय चुनाव

प्रदेश में पिछले निकाय चुनाव वर्ष 2018 में हुए थे। तब 20 अक्टूबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई थी। 18 नवंबर को मतदान होने के बाद 20 नवंबर को परिणाम घोषित किए गए थे। निकायों का शपथ ग्रहण और पहली बैठक दो दिसंबर को हुई। निकाय अधिनियम के अनुसार पहली बैठक से ही निकाय का पांच साल का कार्यकाल शुरू होता है। अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि कार्यकाल खत्म होने से 15 दिन पहले अथवा 15 दिन बाद में चुनाव कराए जा सकते हैं।

बढ़ी नगर निकायों की संख्या

राज्य में वर्तमान में नगर निकायों की संख्या बढ़कर 110 हो गई है। इनमें सात निकाय कुछ समय पहले ही अधिसूचित हुए हैं। ऐसे में अन्य निकायों के साथ इनके चुनाव कराना संभव नहीं है। शेष 103 निकायों में से केदारनाथ, बद्रीनाथ व गंगोत्री में चुनाव नहीं होते। रुड़की नगर निगम व बाजपुर नगर पालिका परिषद में चुनाव बाद में होने के कारण इनका कार्यकाल अगले वर्ष पूर्ण होना है। इसके अलावा सिरौरीकला निकाय के गठन को लेकर अदालत से स्थगनादेश मिला है। यानी 97 निकायों में चुनाव होने हैं।

मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण होगा

राज्य निर्वाचन आयुक्त के अनुसार नगर पालिका परिषद हरबर्टपुर, नरेंद्र नगर, रुद्रप्रयाग एवं बाजपुर और नगर पंचायतों कीर्तिनगर, गंगोत्री, बद्रीनाथ, केदारनाथ, मुनस्यारी एवं नंदा नगर घाट को छोड़कर अन्य सभी निकायों की मतदाता सूचियों का विस्तृत पुनरीक्षण किया जाएगा।

गाड़ीपड़ाव में बनेगी सब्जी मंडी, व्यवस्थाओं में होगा सुधार

गाड़ीपड़ाव, जहां नगर निगम शेड निर्माण कर सब्जी मंडी में तब्दील करने जा रहा है।

पूर्व में बनाई गई थी योजना

शहर में जगह-जगह घूमने वाले रेहड़ी-ठेली वालों के लिए नगर निगम व प्रशासन की ओर से नजीबाबाद रोड स्थित गाड़ीपड़ाव में जगह चिह्नित की गई थी। योजना यह थी कि सब्जी व फल खरीदने के लिए आने वाले ग्राहकों को बाजार में नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही रेहड़ी-ठेली वालों को एक स्थान भी मिल जाएगा। जिससे व्यवस्थाओं में सुधार होगा।

यह है वर्तमान स्थिति

नगर निगम ने कुछ दिन पूर्व गाड़ीपड़ाव को पूरी तरह खाली करवा दिया। नई योजना के तहत नगर प्रशासन शेड निर्माण करवा रहा है। जहां फल-सब्जी की दुकाने लगेंगी। शेड निर्माण के लिए निविदाएं निकालने के बाद वर्क आर्डर भी जारी कर दिया गया है। शेड में दुकानें उन्हीं व्यापारियों को आवंटित होंगी जो नगर निगम में पंजीकृत होंगे।

शेड डालकर सब्जी व फल विक्रेताओं को मुहैया करवाई जाएगी जगह

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर की सड़कों पर घूम रही रेहड़ी-ठेली व फड़ वालों को जगह उपलब्ध करवाने के लिए गाड़ीपड़ाव को सब्जी मंडी में तब्दील किया जाएगा। इसके लिए बकायदा शेड डालकर दुकानें लगाई जाएंगी। इससे शहर की यातायात व्यवस्था में भी काफी सुधार होगा।

वर्ष 2017-18 में नगर निगम व स्थानीय प्रशासन ने गोखले मार्ग व पटेल मार्ग को खाली करवाते हुए सब्जी विक्रेताओं को गाड़ीपड़ाव में शिफ्ट किया। लेकिन, कुछ दिनों के बाद ही सब्जी विक्रेता गाड़ीपड़ाव को छोड़ शहर में जगह-जगह सड़कों पर रेहड़ी-ठेली लगाने लगे। यही स्थिति वर्तमान में भी है। नतीजा, गोखले मार्ग, पटेल मार्ग में जहां सब्जी-फल की फड़-रेहड़ियों के कारण पैर रखने की जगह नहीं मिलती, वहीं, हाईवे सहित अन्य मुख्य मार्गों में भी सड़क किनारे लगी रेहड़ी-ठेली खतरा बनी रहती हैं। अव्यवस्थाओं के कारण सड़कों पर पूरी तरह जाम की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय लोग कई बार प्रशासन से व्यवस्थओं में सुधार की मांग करते आ रहे है।

भालू की दहशत में यमकेश्वर के सात गांव, घरों में कैद ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : यमकेश्वर क्षेत्र सात गांव पिछले बीस दिन से भालू की दहशत में हैं। आए दिन भालू ग्रामीणों को गांव के आसपास घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। शाम ढलते ही ग्रामीण घरों में कैद होने को मजबूर हो गए हैं। बच्चों का स्कूल जाना भी दूभर हो गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से भालू की दहशत से निजात दिलवाने की मांग की है। ग्राम पंचायत ढुंगाधार देवी डांडा पहाड़ियों से लगा गांव है। ग्रामीण चंद्र मोहन बडोला, भारत भूषण बडोला, महेश बडोला, शिव दयाल बडोला, मनोज बडोला, प्रेमा देवी, लक्ष्मी देवी, सुंदरी देवी आदि ने बताया पिछले तीन सप्ताह से ढुंगाधार, ढुंगा सकरा, ढुंगा अकरा, देवी डांडा बंचूरी और आसपास के गांवों में भालू पहुंच रहा है। कहा कि दिन में भालू गांव के ही नजदीक खेतों, रास्तों और पहाड़ी में विचरण कर रहे हैं और शाम ढलते ही भालुओं का दल आबादी क्षेत्र में धमक रहे हैं। इससे स्कूली बच्चे व ग्रामीण अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वर्तमान में ग्राम सभा ढुंगा में 50 परिवार रहते हैं। गांव से कांडी की दूरी लगभग पांच किमी. है और ग्रामीण कांडी बाजार तक पांच किमी. पैदल आवाजाही करते हैं। वहीं, भालू की दहशत के कारण बच्चे स्कूल भी नहीं जा पा रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से उन्हें भालू के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।

विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता में जीआईसी सेंधीखाल रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जीआईसी जयहरीखाल में ब्लॉक स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज सेंधीखाल प्रथम स्थान में रहा। प्रतियोगिता में 19 माध्यमिक और 12 उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 87 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त निदेशक विद्यालयी शिक्षा अनिल नेगी और विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख दीपक भंडारी ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों ने मॉडल के निरीक्षण के बाद बच्चों के प्रयासों को भी सराहा। खंड शिक्षा अधिकारी अमित कुमार चंद ने कहा कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य बच्चों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि पैदा करना है। प्रभारी प्रधानाचार्य सारी अनिल कुमार मैंदोला ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विज्ञान प्रदर्शनी के सीनियर वर्ग में स्वास्थ्य विषय में भूपेंद्र सिंह, अनीषा रावत ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पर्यावरण के लिए जीवन शैली विषय में संजय, साहिल गौड़, कृषि विषय में शिवा, रोहन, संचार एवं परिवहन विषय में अदिति, प्रियांशु, संगणात्मक चिंतन विषय में अनुराग नेगी, रोहन सिंह क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहे। जूनियर वर्ग में स्वास्थ्य विषय में रितिका, संजना, पर्यावरण के लिए जीवन शैली विषय में प्रियांश रावत, प्रियांशु, कृषि विषय में रोशनी, तनीषा, संचार एवं परिवहन विषय में अंशुल रावत, पायल, संगणात्मक चिंतन विषय में आदित्य रावत, दिल बहादुर ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान पाया। विज्ञान ड्रामा मे जीआईसी सेंधीखाल प्रथम, मठाली दूसरे स्थान पर रहे। इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक सुभाष बिष्ट, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सूरज रावत आदि मौजूद रहे।

चित्रकला में रौनक और साक्षी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : प्रख्यात चित्रकार बीमोहन नेगी की छठवीं पुण्यतिथि पर उत्तराखंड की संस्कृति और परंपराएं विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता शहर के राजमती देवी सरस्वती विद्या मंदिर तिमली में बीमोहन नेगी कला निधि न्यास उत्तराखंड द्वारा की गई। प्रतियोगिता जूनियर व सीनियर वर्गों में आयोजित की गई। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर बीमोहन नेगी के कविता, पोस्टर, प्रदर्शनी, आशीष मोहन नेगी की चित्रकला प्रदर्शनी साथ ही युवा चित्रकार हिमांशु और कामिनी के चित्रकला प्रदर्शनियां भी लगाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ बीमोहन नेगी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। नेगी के पुत्र आशीष मोहन नेगी ने बताया कि न्यास का यह प्रयास रहेगा कि इस तरह के आयोजन वे करते रहेंगे और नौनिहालों को चित्रकला के लिए प्रेरित करते रहेंगे। चित्रकला प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में रौनक नेगी, आदित्य रावत, आस्था असवाल ने क्रमश प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि कक्षा 9 की सिमरन, प्रियंका गुसांई और प्रिया ने सांत्वना पुरस्कार पाया। सीनियर वर्ग में साक्षी रावत ने पहला, लोकेंद्र शाह ने दूसरा और यामिनी यादव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि मीनाक्षी, साधना बिष्ट और हिमांशु कोहली ने सांत्वना पुरस्कार पाया। सेवानिवृत्त शिक्षक बिमल नेगी ने बीमोहन नेगी को याद करते हुए बताया की वह जितने बड़े कलाकार थे उतने ही सरल व्यक्तित्व के धनी थे। स्कूल के प्रधानाचार्य संजय ममगांई ने कहा कि वह अगर अपने लक्ष्य को निर्धारित करते हैं और उसकी तरफ बढ़ते हैं तो निश्चित ही उन्हें सफलता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में नेहा घिल्डियाल, आशीष मोहन नेगी, हिमांशु और कामिनी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। संचालन रमन रावत पोली ने किया। इस मौके पर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन पौड़ी इकाई के विकास प्रयास, गणेश ध्यानी, संजय काला, अमित बिष्ट आदि मौजूद रहे।

देश विरोधी बयान देने वालों पर हो कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने केंद्र सरकार से देश विरोधी बयान देने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग की है।

इस संबध में उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में परिषद अध्यक्ष जीके बड़थ्वाल ने कहा है कि देश-विदेश में किसी तरह की घटना होने पर केंद्र सरकार अपना पक्ष रखती है, लेकिन देश विरोधी व्यक्ति सरकार व देश के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी कर माहौल खराब करने का प्रयास करते हैं। इसलिए ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानून बनाकर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

नजर नहीं आ रहा बाघ, बछिया को बनाया निवाला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विकासखंड नैनीडांडा के प्रभावित गांव में लगातार बाघ की दहशत बढ़ती जा रही है। 21 अक्टूबर से ग्रामीणों को कहीं भी बाघ नजर नहीं आया। वहीं, गांव में हल्दूखाता-नैनीडांडा के मध्य मुजरा बैंड में एक बछिया को अपना निवाला बना दिया।

नैनीडांडा क्षेत्र में बाघ की दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही। कुछ दिन पूर्व प्रभावित क्षेत्र में विद्यालयों को भी खोल दिया गया।

लेकिन, ग्रामीणों में अब भी बाघ की दहशत बरकरार है। शाम ढलते ही ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।

वहीं, अभिभावक अपने बच्चों को स्वयं ही स्कूल ले जाने व छोड़ने के लिए जा रहे हैं।

तैयारियां पूरी, आनंद विहार टर्मिनल के लिए आज चलेगी ट्रेन

कोटद्वार रेलवे स्टेशन जहां से ट्रेन का संचालन होगा।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार से आनंद विहार टर्मिनल के मध्य आज शनिवार से ट्रेन का संचालन किया जाएगा। इसके लिए रेलवे की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दिल्ली से ट्रेन की पावर और 10 कोच नजीबाबाद रेलवे स्टेशन को उपलब्ध कराए गए है। यार्ड में खड़े कोच की सफाई आदि का काम पूरा करा दिया गया है।यह जानकारी देते हुए स्टेशन अधीक्षक कमल नेगी ने बताया कि उद्घाटन अवसर पर कोटद्वार से आनंद विहार टर्मिनल के लिए ट्रेन को रवाना किया जाएगा। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ट्रेन को सीएम पुष्कर सिंह धामी व केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से झंडी दिखायेंगे। वहीं प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण, सांसद राज्य सभा अनिल बलूनी व तीरथ सिंह रावत और मेयर हेमलता नेगी उद्घाटन समारोह में मौजूद रहेंगी। ट्रेन को रेलवे ने आनंद विहार से कोटद्वार के लिए 14089 और कोटद्वार से दिल्ली के लिए 14090 नंबर जारी किया है। नई ट्रेन में एक एसी कोच, चार स्लीपर कोच, तीन साधारण कोच और दो एसएल आर कोच लगाए जाएंगे। केवल उद्घाटन पर आज कोटद्वार से नई ट्रेन पांच बजे रवाना होगी।

यह है समय सारिणी

यह ट्रेन कोटद्वार से रोजाना रात्रि 10 बजे चलकर सनेह रोड, नजीबाबाद, मौअज्जमपुर नारायण, लक्सर, रुड़की, टपरी, देवबंद, मुजफ्फरनगर, मेरठ होते हुए प्रातः 04:35 बजे आनंद विहार टर्मिनल दिल्ली पहुंचेगी। आनंद विहार टर्मिनल से रात्रि 09:45 बजे चलकर प्रातः 03:50 बजे कोटद्वार पहुंचेगी। देवबंद, मुजफ्फरनगर और मेरठ के लिए बिजनौर वासियों को नजीबाबाद स्टेशन से पहली सीधी ट्रेन मिलेगी।

गढ़वाल विवि का दीक्षांत समारोह 8 नवंबर को

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय का 11वां दीक्षांत समारोह 8 नवंबर को सम्पन्न होगा। दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु होंगी।

इस संबंध में गुरूवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो अन्नपूर्णा नौटियाल ने पत्रकारों से वार्ता की और बताया कि यह विश्वविद्यालय और गढ़वाल क्षेत्र में लिए अत्यन्त सौभाग्य का विषय है कि महामहिम राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के आमंत्रण को स्वीकारा और दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय को आतिथ्य का अवसर दिया। उन्होंने बताया कि कुलाधिपति डॉ. योगेन्द्र नारायण की अध्यक्षता में होने वाले इस कार्यक्रम में प्रदेश के राज्यपाल पूर्व ले. जनरल गुरमीत सिंह एवं मुख्यमत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहेगें। वहीं राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल के तहत दीक्षांत समारोह के सभी कार्यक्रम लगभग 55 मिनट के अतंर्गत सम्पन्न होगें, जिसमें गोल्ड मेडलिस्टों को पुरस्कृत किया जाएगा तथा पीएचडी की दीक्षा दी जाएगी। इस मौके पर दीक्षांत समारोह के समंवयक प्रो. वाईपी रैवानी ने बताया कि हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय का 11वां दीक्षांत समारोह कुलपति प्रो. नौटियाल के कार्यकाल में 6वां लगातार होने वाला समारोह होगा, जिसकी थीम ''सशक्त महिला समृद्ध राष्ट्र'' रखी गई है। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. आरसी भट्ट, मुख्य नियंता प्रो. बीपी नैथानी, मीडिया समंवयक प्रो. एमएम सेमवाल, मीडिया समिति के सदस्य डॉ. कपिल पंवार, डॉ. साकेत भारद्वाज, आशुतोष बहुगुणा आदि मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो अन्नपूर्णा नौटियाल पत्रकार वार्ता करते हुए।

उद्यमी अब ऑनलाइन बेच सकेंगे उत्पाद

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद के उद्यमी अब अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेच सकेंगे। रूलर बिजनेस इंक्यूबेटर (आरबीआई) एवं प्राइस वाटर कूलर (पीडब्लूसी) के संयुक्त तत्वाधान में इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। जियो मार्ट, बुकिंग डॉट कॉम समेत अन्य प्रतिष्ठित ऑनलाइन वेबसाइटों पर उद्यमियों का सामान उपलब्ध करवाने के लिए आरबीसी एवं पीडब्लूसी ने जनपद के उद्यमियों को प्रशिक्षण देना शुरू किया है। पुराने विकास भवन सभागार में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान जनपद भर से पहुंचे उद्यमियों को रूलर बिजनेस इंक्यूबेटर (आरबीआई) जिला प्रबंधक योगेश गौड़ ने पहाड़ एवं विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यम को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

सरकार ने महिलाओं के उत्थान के शुरू की योजनाएं

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : नगर पंचायत सतपुली में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर केंद्र और प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए योजनाओं की शुरुआत की है। भाजपा सरकारें हमेशा ही महिला सशक्तिकरण के लिए प्रयासरत रहती हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाओं शुरू की हैं, जिससे महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश सह संयोजिका आशा कोठारी और बीजेपी महिला मोर्चे की पौड़ी जिलाध्यक्ष मीना गैरोला ने द्वीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता प्रदेश सह संयोजिका आशा कोठारी ने प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री धामी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। उज्ज्वला योजना से लेकर लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास कराएं जाने आदि का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने ऐसी योजनाओं की शुरुआत करते हुए महिलाओं को तोहफा देने का काम किया है। जबकि आज तक कोई भी सरकारें इस दिशा में नहीं सोच पाई। इस मौके पर नगर मोर्चा अध्यक्ष रेनू घिल्डियाल, नगर पंचायत अध्यक्ष सतपुली अंजना वर्मा, पूर्व ब्लाक प्रमुख पोखड़ा रामेश्वरी जोशी, शकुंतला, मधु देवी, शशि भट्ट आदि मौजूद रहीं।

छः दिवसीय प्रशिक्षण 30 अक्टूबर से

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : आरसेटी द्वारा विकासखंड जखोली से प्राप्त चयनित अभ्यर्थियों की सूची के अनुसार 06 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 30 अक्टूबर से पंचायत भवन सुमाड़ी में आयोजित किया जाएगा। आरसेटी के निदेशक केएस रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रोजेक्ट उन्नति के तहत 30 अक्टूबर से 4 नवंबर तक पंचायत भवन सुमाड़ी में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जनपद स्तरीय अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवियों का किया सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा मूल्य आधारित सेवा द्वारा समृद्ध समाज की पुनर्स्थापना अभियान का आगमन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

शुक्रवार को प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल के प्रधानाचार्य अनुसूया प्रसाद सुंद्रियाल, समलौंण आंदोलन की संयोजिका सावित्री ममगांई, बाल संसार समिति की अध्यक्ष कुसुम चमोली, हरित क्रांति समिति बबीता पटवाल, समलौंण के संस्थापक वीरेंद्र गोदियाल, आह्वान संस्था की अध्यक्ष प्रियंका थपलियाल, बद्री गौ संवर्द्धन एवं ग्राम्य विकास संस्थान के प्रकाश काला, उन्नत गढ़वाल की यशोदा नेगी आदि को सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता प्रो.ईवी स्वामीनाथन ने कहा कि बताया कि मानव मूल्यों के द्वारा हम श्रेष्ठ समाज की पुर्नस्थापना कैस कर सकते है विषय पर लोगों को जानकारी दी गई। बताया कि यह अभियान 15 अक्तूबर को श्रीनगर से शुरू हुआ 5 नवंबर को उत्तरकाशी में समाप्त होगा। बताया कि अभियान के तहत जितना आत्मा के अंदर देवी गुणों की धारणा होगी समाज उतना ही सुखमय होगा। इस दौरान सुख शांति व भाईचारे को लेकर शपथ भी ली गई। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक राजकुमार पोरी ने किया। कार्यक्रम में एएसपी संचार अनूप काला, मेहरचंद्र, विजयलक्ष्मी, पदमा, वीरेंद्र, प्रकाश, प्रो. गिरीश आदि शामिल रहे।

घर से लापता युवती ने प्रेम संग की शादी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कल्जीखाल ब्लॉक के राजस्व क्षेत्र से दो सप्ताह पूर्व लापता युवती को सतपुली पुलिस ने प्रेमी संग ढूंढ निकाला। युवती ने अपने प्रेमी संग विवाह कर लिया है।

थानाध्यक्ष सतपुली दीपक तिवारी ने बताया कि युवती सतपुली से सटे पौड़ी तहसील की पश्चिमी मनियारस्यूं क्षेत्र से बीते 10 अक्टूबर को कम्प्यूटर सीखने सतपुली आई थी। यहां से वह लापता हो गई। 11 अक्तूबर को युवती के पिता ने कालागढ़ क्षेत्र के एक युवक पर अपनी पुत्री को भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए संबंधित धाराओं में मामला पंजीकृत करवाया। मामले की विवेचना राजस्व पुलिस से सिविल पुलिस (थाना सतपुली) को हस्तांतरित की गई। मामले की जांच उपनिरीक्षक प्रियंका नेगी को सौंपी गई थी। बुधवार को युवती को सतपुली में उसके प्रेमी के साथ ढूंढ लिया। युवती एवं उसके प्रेमी को न्यायिक मजिस्ट्रेट कोटद्वार के सम्मुख पेश किया गया। जहां युवती ने दोनों के बालिग होने और स्वेच्छा से प्रेमी से विवाह करने की बात कही। इसके बाद न्यायालय ने युवती को उसके पति के साथ भेज दिया है।

नारद मोह के साथ रामलीला का हुआ शुभारंभ

श्री रामलीला कमेटी सतपुली की ओर से आयोजित की गई रामलीला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री रामलीला कमेटी, सतपुली की ओर से रामलीला का मंचन शुरू हो गया है। बृहस्पतिवार रात को पहले दिन कलाकारों ने नारद मोह लीला से लेकर राक्षसों द्वारा ऋषि मुनियों से कर के रूप में रक्त लेने तक की लीला का मंचन किया। नारद मोह लीला देखकर दर्शक भाव विभोर हो उठे। रामलीला का उद्घाटन थानाध्यक्ष सतपुली दीपक तिवाड़ी ने रिबन काटकर किया। रामलीला मंचन की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद कलाकारों ने नारद मोह लीला, रावण तप, भगवान विष्णु के राक्षसों के नाश हेतु मनुष्य अवतार लेने का संकल्प, राक्षसों द्वारा ऋषि मुनियों से कर के रूप में रक्त लेने के दृश्यों का मंचन किया गया। बॉबी शर्मा ने विष्णु, गौरांग लिंगवाल ने लक्ष्मी, अमरदीप पाल ने रावण, बालेश्वर चौधरी ने भगवान शिव और नारद की भूमिका होशियार सिंह निभा रहे हैं। इस मौके पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष मनीष रौतेला, प्रबंधक जयदीप नेगी, संचालक सत्यनारायण वेदी, कोषाध्यक्ष लोकेश वर्मा, इंदु जुयाल, मनीष खुगशाल आदि मौजूद रहे।

ब्लॉक कार्यालय नवनिर्मित भवन में शिफ्ट

ब्लॉक का नव निर्मित भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : एकेश्वर ब्लॉक के नवनिर्मित भवन में खंड विकास कार्यालय शिफ्ट हो गया है। नव निर्मित भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होने की वजह से अधिकारियों व कर्मचारियों को कार्य करने में काफी सुविधा होगी। नए भवन में शिफ्ट होने के बाद सभी कर्मी काफी खुश दिखे। प्रमुख नीरज पांथरी ने कहा कि जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ब्लॉक कार्यालय का लोकापर्ण करेगें। शुक्रवार को विधि विधान से पूजा अर्चना एवं हवन करके विधिवत ब्लॉक कार्यालय नव निर्मित भवन में शिफ्ट हो गया है। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख नीरज पांथरी ने कहा कि 3 करोड़ 37 लाख की लागत से ब्लॉक कार्यालय का नव निर्मित भवन बना हुआ है। कहा कि पुराना भवन आज के परिवेश में काफी छोटा भी था। अब नये भवन में लोगों को काम करने में आसानी होगी। वहीं काफी बड़ा होने की वजह से लोगों को कार्यालय में आकर काम करने में काफी सहूलियत होगी। प्रमुख ने नव निर्मित भवन के लिए धनराशि स्वीकृत करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उप प्रमुख धनेश्वरी देवी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सीमा सजवाण, सतेन्द्र रावत, धर्म सिंह, अनिल नेगी, गौरव रावत, श्रीमती चंद्रकला, नेहा चौहान, सतीश सेमवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य यशवंत नेगी, प्रधान तेजपाल सिंह पंवार, सुधीर, किरण रावत, पूरण सिंह, चन्द्रमोहन बडोला, निकिता, पूजा, कैप्टन गंगा सिंह, प्रेम पाण्डेय, प्रकाश चंद्र जदली, रणवीर सिंह, ज्ञान सिंह सहित ब्लॉक के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

दो दिवसीय महिला रामलीला की धूम, महिलाएं निभाती हैं रामलीला के पात्रों के चरित्र

अल्मोड़ा। भुवनेश्वर महादेव मंदिर एवं रामलीला समिति कर्नाटक खोला अल्मोड़ा में महिलाओं द्वारा मंचित सम्पूर्ण रामलीला के प्रथम दिवस पर राम जन्म, रावण अत्याचार, दशरथ–विश्वामित्र संवाद, ताड़का द्वारा नरसंहार, मुनियों का यज्ञ विध्वंस, ताड़का वध, मारीच–सुबाहु प्रसंग, सुबाहु वध, सीता स्वयंवर, परशुराम–लक्ष्मण संवाद, दशरथ–कैकेई संवाद, राम–भरत मिलाप, सूर्पनखा प्रसंग, खर–दूषण प्रसंग, रावण–मारीच संवाद, सीता हरण, अशोक वाटिका प्रसंग, हनुमान–मेघनाद संवाद, लंका से विभीषण का निष्कासन मंचन हुआ।

राम की पात्र रश्मि काण्डपाल, लक्ष्मण की मेघना पाण्डे, सीता की कोमल जोशी, भरत की वैष्णवी जोशी, शत्रुघ्न की रक्षिता अलमियां, हनुमान की मीनाक्षी जोशी, रावण की विद्या कर्नाटक, ताड़का की हिमांशी अधिकारी, सुबाहु एवं दूषण की रेखा जोशी सहित रामलीला में अभिनय कर रही महिलाओं ने जीवन्त अभिनय का प्रदर्शन किया।

दो दिवसीय रामलीला के प्रथम दिवस में परशुराम–लक्ष्मण संवाद, दशरथ–कैकेई संवाद, रावण–साधु मारीच संवाद, हनुमान–मेघनाद संवाद, खर–दूषण, सुबाहु–मारीच, सूर्पनखा प्रसंग ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला का शुभारंभ अत्रेस सयाना ज़िला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) तथा समाजसेवी व व्यवसाई गगन जोशी के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

सभी स्थानों में रामलीला का समापन हो चुका है जिस कारण यहाँ भारी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। रामलीला में राक्षसों का किरदार निभा रही महिलाओं ने अपने अभिनय से समां बांध दिया।

समस्त प्रसंगों का दर्शकों ने जमकर लुत्फ उठाया। हल्की ठंड के बाबजूद भी दर्शक अपनी जगह पर डटे रहे। रामलीला का प्रसारण फेसबुक लाईव के माध्यम से भी किया गया।

द्वाराहाट में 16 साल बाद होगा रामलीला का मंचन

अल्मोड़ा। द्वाराहाट के मुख्य बाजार के शीतलापुष्कर मैदान में 16 साल के पश्चात ऐतिहासिक रामलीला का पुनर्मंचन प्रारंभ हो रहा है।

इससे पूर्व 2007 में अंतिम रामलीला हुई थी, तब से रामलीला का मंचन नहीं हो पाया था इस बार रामलीला शुरू होने से समस्त राम भक्तों में खुशी की लहर है, लोग बढ़ चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। रामलीला मंचन से पूर्व भूमि पूजन, गणेश पूजन और सभी देवताओं की विधिवत पूजा की गई। रामलीला मंचन हेतु नगर के प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में संगीत निर्देशक यतीश जोशी, मंच निर्देश तारा लाल साह, मदन मोहन पांडे, देवेंद्र लाल साह, विनोद मठपाल, राजेंद्र प्रसाद मठपाल, दीपचंद मठपाल, लक्ष्मी लाल शाह, रोहित शाह, मनोज भट्ट सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लमगड़ा में वृहद बहुउद्देशीय विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

अल्मोड़ा। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशन एवं जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोड़ा कौशल किशोर शुक्ला के मार्गदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अल्मोड़ा शचि शर्मा की अधयक्षता में अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज लमगड़ा में वृहद बहुउद्देशीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शुक्रवार को शिविर में उपस्थित व्यक्तियों को बाल अधिकारों, नालसा की सभी योजनाओं, लैंगिक न्याय, ट्रांसजेंडर लोगों के अधिकारों, लैंगिक समानता, पूर्ण और समान प्रतिनिधित्व और सभी महिलाओं व बालिकाओं का सशक्तिकरण, मानसिक और शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों के अधिकारों आदि विषयों पर जागरूक किया गया। इस शिविर में जिला प्रशासन द्वारा विभागीय स्टाल लगाए गये एवं अपने विभाग से संबंधित जानकारी प्रदान की गई।

साथ ही शिविर में निशुल्क चिकित्सीय परीक्षण भी किया गया तथा स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। शिविर में एस.डी.एम लमगड़ा एनएस नगन्याल सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

पेंशन की नहीं होगी टेंशन, विभागीय साइट पर करें आवेदन

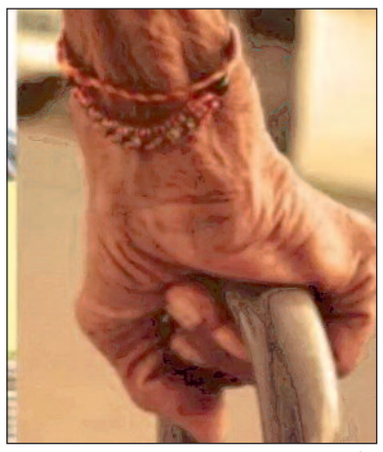

हल्द्वानी। पेंशन के लिए आवेदन कर रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। अपणी सरकार पोर्टल पर दस्तावेज अपलोड करने में परेशानी हो रही है तो अब आप समाज कल्याण की विभागीय वेबसाइट पर भी आवेदन कर सकते हैं। दिव्यांग, वृद्धों व विधवा पेंशनरों को पेंशन के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था। ब्लॉक से समाज कल्याण विभाग तक चक्कर काटने पर भी पेंशन नहीं मिल पाती थी। छह से एक साल बीत जाता था। इस पर सरकार ने पेंशन योजना की आवेदन प्रक्रिया सरल करते हुए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी।

इन वेबसाइट पर शुरू हुए आवेदन

अपणी सरकार पोर्टल व समाज कल्याण की विभागीय वेबसाइट पर आवेदन शुरू हो चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, कई लोग अपणी सरकार पोर्टल से आवेदन कर रहे हैं, जिसमें कई प्रकार की परेशानी आ रही है। इसे ठीक करने के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल लाभार्थी समाज कल्याण विभाग की विभागीय वेबसाइट पर भी पेंशन के लिए आवेदन कर सकते हैं। पेंशन एक महीने में खाते में पहुंचेगी।

ऐसे आगे बढ़ती है फाइल

साइबर कैफे या सीएससी से ऑनलाइन आवेदन करने के बाद फाइल सहायक समाज कल्याण अधिकारी के पास पहुंचती है। यहां से दस्तावेजों का सत्यापन करने के बाद फाइल एसडीएम के पास पहुंचती है। फिर समाज कल्याण अधिकारी पेंशन जारी करते हैं।

तकरीबन एक महीने की समय अवधि में पेंशन खाते में पहुंचने लगती है। खास बात ये हैं कि वेबसाइट पर जाकर आवेदनकर्ता स्टेटस चेक कर सकते हैं कि फाइल कहां पहुंची है।

बालिका पंचायत में ओवरऑल चैंपियन बना हवालबाग विकासखंड

अल्मोड़ा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में दो दिवसीय बालिका पंचायत का आयोजन किया गया। जिसकी थीम ह्लमेरे हौसले की उड़ानह्व रखी गई। बालिका पंचायत के माध्यम से राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरियों को आत्मनिर्भर एवं साहसी बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोंडे ने सभी छात्राओं से आत्मनिर्भर बनने के लिए कठिन परिश्रम करने का आह्वान किया। लमगड़ा की खंड शिक्षा अधिकारी प्रेमा बिष्ट ने कहा कि अपनी क्षमताओं को पहचानें फिर प्रयास करें, सफलता निश्चित मिलेगी। स्याल्दे खंड शिक्षा अधिकारी वंदना रौतेला ने कहा कि आत्मनिर्भर बनने के लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। बालिका पंचायत में जिले के सभी ग्यारह विकासखंडों के 15–15 बालिकाओं की टोलियों ने हिस्सा लिया। जिसमें कौशलम से जुड़े हस्तशिल्प स्टॉल मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ दीपा जलाल ने बताया कि किशोरियों को आत्मनिर्भर और साहसी बनाने हेतु डाइट अल्मोड़ा द्वारा बीते 3 वर्षों से बालिका पंचायत का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत मेहंदी प्रतियोगिता, ऐंपण प्रतियोगिता, कवि सम्मेलन, हस्तशिल्प प्रतियोगिता, लोकगीत, लोक नृत्य की प्रतिस्पर्धा आयोजित कराई जा रही है।

रानीधारा क्षेत्र में अराजक तत्वों ने गाड़ियों में की तोड़फोड़

अल्मोड़ा। गुरुवार की रात्रि में नगर के रानीधारा क्षेत्र में अराजक तत्वों ने करीब आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों के शीशे तोड़कर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। इसकी सूचना जब स्थानीय सभासद अमित साह मोनू को मिली तो उन्होंने स्थल पर जाकर मुआयना किया तथा तुरन्त पीड़ित लोगों और स्थानीय लोगों के साथ कोतवाली अल्मोड़ा पहुंच मामले की तहरीर दी।

सभासद अमित साह ने कहा कि यह बड़ी घटना है जिसमें आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों को अराजक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इसमें पुलिस को अविलम्ब कार्यवाही कर इलाके के सीसीटीवी चैक करने चाहिए तथा दोषियों को तुरन्त पकड़ना चाहिए। व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सुशील साह ने कहा कि ऐसे अराजक तत्वों की अविलंब धड़पकड़ कर पुलिस ने उन पर कार्यवाही करनी चाहिए। कहा कि ऐसे असमाजिक तत्वों को सलाखों के अन्दर होना चाहिए। मामले पर कोतवाल अरूण कुमार ने कहा कि मामले की छानबीन की जा रही है तथा अविलम्ब दोषी पकड़ में आ जाएंगे। इस अवसर पर सभासद अमित साह मोनू, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सुशील साह, कांग्रेस नगर महामंत्री संगठन वैभव पाण्डेय, सलमान अंसारी, ललित मोहन डालाकोटी, बलवंत राणा, मुकुल कुमार आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा के 123 स्कूलों में नहीं है बच्चों के लिए पीने का पानी, शौचालय हैं बदहाल

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बच्चों को अपने बेसिक अधिकार लेने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। जनपद में 123 विद्यालय ऐसे हैं, जहां अब तक पेयजल संयोजन ही नहीं है। ऐसे में विद्यार्थियों को बस्ते के बोझ के साथ ही पेयजल का बोझ भी ढोने को विवश होना पड़ रहा है। इन स्कूलों के शिक्षक–अभिभावक संघ, विद्यालय प्रबंधन समिति व विद्यालय प्रबंध विकास समिति अरसे से इन विद्यालयों में पेयजल संयोजन की मांग उठा रहे हैं। इसके बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है।

धौलछीना में रामलीला हुई शुरू

अल्मोड़ा। रामलीला कमेटी धौलछीना के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव का गुरुवार से शुभारंभ हो गया है। पहले दिन नाती सूत्रधार प्रसंग से सीता जन्म तक की लीला का मंचन किया गया। रामलीला का उद्घाटन मुख्य अतिथि थानाध्यक्ष सुशील कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

रामलीला के प्रथम दिवस में नटी सूत्रधार प्रसंग, नारद मोह, कैलाशपुरी में रावण, कुंभकरण व विभीषण द्वारा कठोर तप कर भगवान शंकर को प्रसन्न करना, महादेव से मन इच्छित वर मांगना, राक्षसों के ऋषि मुनियों पर अत्याचार, अयोध्या में राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न का जन्म, जनकपुरी में सीता जन्म तक की लीला का मंचन किया गया। शिव का किरदार नाथीराम नौटियाल, पार्वती महक बोरा, रावण उमेश मनराल, विभीषण अशोक बनकोटी, कुंभकरण नंदन सिंह, दशरथ प्रकाश वर्मा, केकैई रंजना, सुमित्रा निकिता, कौशल्या डौली, जनक प्रशांत रावत, सुनैना गुंजन, नारद कुंदन मेहरा, रावण दूत सूरज, नट धीरेंद्र पाठक, नटी निकिता, वशिष्ठ चंद्रशेखर पांडे, तथा देव गणों का किरदार दिव्यांश, हितेश, केवल, देवेंद्र बोरा ने निभाया।

घोटालों को लेकर उत्तराखंड सरकार पर लीपापोती करने का आरोप

देहरादून। नैनीताल हाईकोर्ट ने राज्य के उद्यान विभाग में हुए घोटाले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया है। जिसके बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा का बयान सामने आया है।

उन्होंने राज्य के विभिन्न विभागों में हो रहे घोटालों को लेकर उत्तराखंड सरकार पर लीपापोती करने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने 28 अक्टूबर को होने वाले प्रदर्शन में सभी विधायकों और पूर्व विधायकों से भाग लेने का आग्रह किया है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने भाजपा सरकार को घोटाले में आकंठ डूबी बताया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि विभाग के निर्माण कार्य से लेकर सभी जगह भाजपा नेताओं की मिली भगत से भारी घोटाले को अंजाम दिया जा रहा है। जिससे राज्य का कोई ऐसा विभाग नहीं है, जो भ्रष्टाचार से अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि उद्यान विभाग, वन विभाग और अन्य विभागों में घोटाले लगातार सामने आ रहे हैं। जिससे स्पष्ट होता है कि भाजपा सरकार घोटालों में पूरी तरह से डूबी हुई है और घोटालेबाजों को धामी सरकार का पूर्ण संरक्षण प्राप्त है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि एक वर्ष के अंतराल में यह तीसरा मामला है, जब उच्च न्यायालय ने एसआईटी जांच को लचर और सही नहीं मानते हुए सीबीआई से जांच कराने के आदेश दिए हैं। इससे पहले कॉर्बेट नेशनल पार्क में हुए पेड़ कटान घोटाले और हरिद्वार की पंतद्वीप पार्किंग ठेके को आगे बढ़ने से जुड़े घोटाले में भी हाईकोर्ट सीबीआई से जांच कराने का आदेश दे चुका है, लेकिन इसके बावजूद राज्य की भाजपा सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही है।

बता दें कि कांग्रेस ने 28 अक्टूबर को सभी जिला और महानगर मुख्यालयों में भाजपा सरकार का पुतला दहन करने का निर्णय लिया है। ऐसे में कांग्रेस ने सभी विधायकों, पूर्व विधायकों और विधानसभा प्रत्याशी 2022 पीसीसी सदस्यों अनुषांगिक संगठनों से आग्रह किया है कि सभी जिला और महानगर मुख्यालयों में होने वाले कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

मुख्य निर्वाचन कार्यालय निर्वाचन नामावलियों को व्यवस्थित करने की कवायद में जुटा

देहरादून। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर जहां एक ओर राजनीतिक पार्टियां पूरे दमखम से चुनावी रणनीतियां तैयार कर रही हैं तो वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड मुख्य निर्वाचन कार्यालय भी निर्वाचन नामावलियों को व्यवस्थित करने की कवायद में जुट गया है। लिहाजा, मुख्य निर्वाचन कार्यालय की ओर से फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का आलेख जारी कर दिया है। इसमें प्रदेश की तमाम विधानसभाओं में न सिर्फ मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, तो वहीं बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम भी मतदाता सूची से हटाए गए हैं।बता दें कि, लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर मुख्य निर्वाचन कार्यालय ने तिथियों का ऐलान कर दिया है। जिसके तहत 27 अक्टूबर यानी आज निर्वाचन नामावली को जारी कर दी गई है। ऐसे में मतदाता नाम जोड़ने, नाम हटाने सहित तमाम गलतियों को सुधार सकते हैं। इसके लिए 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर 2023 तक का समय निर्धारित किया गया हैं। इसके साथ ही निर्वाचन कार्यालय की ओर से 4, 5, 25 और 26 नवंबर को स्पेशल कैंपेन भी चलाया जाएगा, जिस दौरान तमाम एक्टिविटी की जाएगी। उत्तराखंड में 81,43,501 मतदाता, 1,91,376 लोगों को नोटिसः शुक्रवार 27 अक्टूबर को जारी किए गए निर्वाचक नामावली के अनुसार मौजूदा समय में– 81,43,501 मतदाता हैं।इसमें 42,18,089 पुरुष मतदाता हैं।39,25,143 महिला मतदाता हैं।269 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।हालांकि, पिछले 11 महीने के दौरान 1,25,574 लोगों का नाम मतदाता सूची से काटा गया है, जो अब जीवित नहीं है। साथ ही 1,01,507 नए मतदाताओं के नाम को निर्वाचक नामावली में जोड़ा गया है। इसके साथ ही 1,91,376 लोगों को नोटिस जारी किया गया है, जिनका नाम तो निर्वाचक नामावली में है, लेकिन वो अब अपने निर्वाचन क्षेत्र में अब नहीं रहते हैं। मतदाताओं में 70,637 दिव्यांग और 80 साल से ज्यादा उम्र के 16,0161 मतदाता हैं।दरअसल, इस साल मतदाता सूची को दुरुस्त किए जाने के लिए बड़े स्तर पर न सिर्फ कार्यक्रम आयोजित किए गए। बल्कि, सभी पोलिंग बूथ के स्तर से बीएलओ सुपरवाइजर के जरिए निर्वाचक नामावली में मौजूद सभी नाम को वेरीफाई किया गया। इसके बाद एक बड़ी संख्या में यानी 12,574 ऐसे लोगों के नाम को डिलीट किया गया, जिनकी मौत हो चुकी है। अपने विधानसभा क्षेत्र में मौजूद नहीं 19,1376 लोगः इसके अलावा इस वेरिफिकेशन अभियान के जरिए 19,1376 नाम ऐसे चिन्हित किए गए, जो अपने विधानसभा क्षेत्र में मौजूद ही नहीं है। ये वो लोग हैं, जो या तो अपना शहर छोड़ कहीं और बस गए हैं या फिर तमाम लड़कियां ऐसी हैं, जिनकी शादी हो गई है। लिहाजा, इन्हें नोटिस देकर जवाब मिलने के बाद जल्दी इन नाम को भी डिलीट करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उत्तराखंड में 11,729 पोलिंग बूथः मुख्य निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, मौजूदा समय में उत्तराखंड में 11,729 पोलिंग बूथ हैं। जिसमें से ग्रामीण क्षेत्रों में 8,268 और शहरी क्षेत्र में 3,461 पोलिंग बूथ हैं।

इन सभी पोलिंग बूथ में से पांच पोलिंग बूथ ऐसे हैं, जिनमें मतदाताओं की संख्या बेहद कम है। साथ ही पांच ऐसे पोलिंग बूथ हैं। जिन बूथों में मतदाताओं की संख्या सबसे ज्यादा है।

नियुक्ति की मांग को लेकर योग प्रशिक्षितों का सचिवालय कूच— पुलिस से हुई नोकझोंक

देहरादूनः नियुक्ति समेत अन्य मांगों को लेकर प्रदेशभर के योग प्रशिक्षितों ने शुक्रवार को सचिवालय कूच किया। वहीं पुलिस ने उन्हें सचिवालय से पहले ही बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया। जिसे लेकर पुलिस व योग प्रशिक्षितों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। योग प्रशिक्षित बैरिकेडिंग पर ही धरने पर बैठ गए। बाद में उन्होंने एसडीएम युक्ता मिश्रा को अपना ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री से वार्ता का समय मांगा है।इस दौरान प्रदर्शन करते हुए योग प्रशिक्षित बेरोजगार संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमित नेगी व प्रदेश महासचिव कुमार मंगलम सेमवाल ने कहा कि योग प्रशिक्षित विगत 17–18 वर्षों से नियुक्ति की मांग को लेकर संघर्षरत हैं। 31 दिसंबर 2021 को राज्य कैबिनेट ने प्रदेश के 119 राजकीय महाविद्यालयों और प्रत्येक जनपद के एक–एक राजकीय इंटर कालेज में योग प्रशिक्षित नियुक्त करने का निर्णय लिया था,पर दो वर्ष बाद भी शासनादेश जारी नहीं हुआ।उन्होंने जल्द शासनादेश जारी करने की मांग की। इसके अलावा प्रदेश में प्राथमिक से लेकर माध्यमिक विद्यालयों में योग शिक्षकों की नियुक्ति, आयुष एवं वेलनेस केंद्रों में सेवाएं दे रहे योग अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि, आयुष एवं एलोपैथिक चिकित्सालयों में योग प्रशिक्षितो की नियुक्ति, पर्यटक आवास गृहों में योग प्रशिक्षितों की नियुक्ति व योग चिकित्सा परिषद के गठन की मांग भी उन्होंने की।कहा कि यदि जल्द नियुक्ति का शासनादेश जारी नहीं किया जाता है तो दिल्ली के जंतर–मंतर पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा। आगामी निकाय चुनाव, पंचायत चुनाव एवं लोकसभा चुनाव में सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।सचिवालय कूच में प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक प्रियदर्शी, प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश शर्मा, संदीप रावत, लक्ष्मण कैंतुरा,चरण सिंह कैंतुरा, संतोष बलोदी,नरेश बलियानी,शुभम बहुगुणा, कुशलानंद गैरोला, प्रकाश चंद्र बिजलवाण, सुजीत भट्ट,सीमा, प्रियंका गुप्ता, सरिता,पूनम, गुड्डी, शकुंतला, वंदना, विजयलक्ष्मी,हेमा, संगीता, सविता आदि शामिल रहे।

बिना फिटनेस के सड़कों में दौड़ रहे अग्निशमन वाहन, जवानों की जोखिम में जान

लोहाघाट। अग्निशमन विभाग के बीस साल पुराने वाहन बिना फिटनेस के सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने का खतरा बढ़ गया है। जबकि नए नियमों के अनुसार 15 साल पुराना हो चुका कोई भी वाहन सड़कों पर नहीं दौड़ सकता है।

अग्निशमन विभाग का कहना है कि वाहनों की कमी के कारण मजबूरी से पुराने वाहनों को आग बुझाने के लिए भेजना पड़ रहा है। लोहाघाट के अग्निशमन विभाग में आग बुझाने के उपयोग में आने वाले अग्निशमन वाहन संख्या–यूए, 07 जी–5450 और यूए, 07एफ– 5204 को बीस साल पूरे हो गए हैं। लेकिन दोनों वाहन अभी भी सड़कों में दौड़ाए जा रहे हैं। जबकि नए नियमों

के अनुसार 15 साल पुराने सरकारी वाहनों को सरेंडर करना जरूरी है।

अनदेखी कर जोखिम में डाल रहे जान

विभाग द्वारा नए नियमों की अनदेखी कर जनता व फायर सर्विस के जवानों की जान जोखिम में डाली जा रही है। एआरटीओ सुरेंद्र कुमार ने बताया कि नई वाहन नीति के तहत 15 साल पुराना सरकारी वाहन सड़कों में नहीं चल सकता है। जिसके लिए सभी विभागों को 15 साल पुराने वाहनों को जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

अग्निशमन विभाग को भेजा गया है नोटिस

एआरटीओ सुरेंद्र कुमार ने बताया कि इस मामले को लेकर अग्निशमन विभाग को नोटिस भेजा जाएगा। इधर अग्निशमन अधिकारी चंदन राम आर्य ने बताया कि दोनों अग्निशमन वाहनों को लगभग बीस साल हो चुके हैं, जिसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दे दी गई है।

राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेला 14 नवंबर से

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेला आगामी 14 नवंबर से आयोजित होगा। गौचर मेले की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में क्लेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। जिसमें मेले को भव्य स्वरूप देने हेतु जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, गणमान्य नागरिकों से महत्वपूर्ण सुझाव लिए गए और विभागों को मेले के दौरान व्यवस्थाओं को चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि गौचर मेला एक ऐतिहासिक राज्य स्तरीय मेला है। इसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने जनपद में संचालित संचालित सभी परियोजनाओं, बैंकों एवं विभागों को मेले के आयोजन हेतु पूरा सहयोग करने के निर्देश दिए। मेला समिति के अन्तर्गत गठित सभी समितियों को अपनी स्पष्ट कार्य योजना तैयार करने, आपसी समन्वय बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने मेले में सभी विभागों को गोष्ठियां आयोजित कर आम लोगों तक विभागीय योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही पेयजल, विद्युत, उरेडा, स्वास्थ्य, पुलिस, खाद्य आपूर्ति, पर्यटन, लोनिवि, नगर पंचायत, बाल विकास, सैनिक कल्याण आदि सभी विभागों को मेले के दौरान व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्होंने गौचर नगर पंचायत को मेले के दौरान साफ-सफाई व्यवस्था को बनाए रखने हेतु अतिरिक्त सफाई कार्मिकों की तैनाती करने तथा पार्किंग की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को मेले के दौरान ट्रैफिक मैनेजमेंट और शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने को कहा। शिक्षा विभाग को स्थानीय बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु रूपरेखा तैयार करने को कहा। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि मेले के भव्य आयोजन हेतु कोई भी अच्छा सुझाव हो तो शीघ्र ही लिखित में मेलाधिकारी को उपलब्ध करें। बैठक में एसडीएम/मेलाधिकारी कमलेश मेहता, तहसीलदार सुरेंद्र देव, डीईओ धन सिंह रावत, डीईओ पीआरडी एएस नयाल, डीपीआरओ आरएस गुंजियाल, डीईओ मुकेश प्रसाद रयाल सहित समस्त विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक आदि उपस्थित थे।

उद्यान घोटाले में भाजपा विधायक और उनके भाई का नाम उछलने लगा

देहरादून। उद्यान विभाग में हुए घोटाले को लेकर बीते रोज 26 अक्टूबर को उत्तराखंड हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला लिया है। कोर्ट ने इस मामले सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। कोर्ट के इस आदेश के बाद उद्यान विभाग के पूर्व निदेशक हरमिंदर सिंह बवेजा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सरकार हरमिंदर सिंह बवेजा को पहले ही सस्पेंड कर चुकी है। वहीं कोर्ट आदेश में बीजेपी विधायक का भी जिक्रकिया गया है, जिस कारण इस घोटाले में विपक्ष को भी बीजेपी सरकार हमला करने का मौका मिल गया है।उत्तराखंड हाईकोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया है कि इस मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए। साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वो इस केस में सीबीआई का पूरा सहयोग करे। इसके अलावा कोर्ट ने अपने फैसले में रानीखेत से बीजेपी विधायक प्रमोद नैनवाल और उनके भाई का भी जिक्र किया है। याचिकाकर्ता दीपक करगेती के अधिवक्ता विनय कुमार ने कोर्ट को बताया कि इस घोटाले में राज्य का राजनीतिक वर्ग भी शामिल है। विनय कुमार ने इसमें तत्कालीन कार्यवाहक मुख्य उद्यान अधिकारी, भीमताल राजेंद्र कुमार सिंह के जवाबी हलफनामे का हवाला दिया और जवाबी हलफनामे में दायर दस्तावेज पर अदालत का ध्यान आकर्षित किया। विनय कुमार ने कोर्ट को बताया कि उस दस्तावेज में 2022–2023 के दौरान हॉर्टिकल्चर मोबाइल टीम, बेतालघाट द्वारा विभिन्न किसानों को सेब के क्लोनल रूट स्टॉक जारी करने को दर्शाने वाली एक टेबल है। उनका कहना है कि मोबाइल टीम द्वारा वितरित 3100 क्लोनल रूट स्टॉक में से 2402 केवल एक ही व्यक्ति यानी सतीश नैनवाल को वितरित किए गए जो मौजूदा विधायक डॉ0 प्रमोद नैनवाल के भाई भी हैं। विनय कुमार ने ये भी बताया कि इसके लिए जांच जरूरी है कि क्या इतनी बड़ी संख्या में क्लोनल रूट स्टॉक वास्तव में सतीश नैनवाल को आवंटित किए गए थे, क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में पौधे लगाने के लिए सतीश नैनवाल और उनके परिवार के पास पर्याप्त जमीन नहीं थी। उन होने कोर्ट को बताया कि डॉ0 प्रमोद नैनवाल ने भी एक पत्र जारी किया है, जिसमें उन्होंने ये प्रमाणित किया है कि उनकी जमीन पर जो 3000 सेब और कीवी के क्लोनल रूट स्टॉक लगाए गए हैं वो सुरक्षित और संरक्षित हैं, साथ ही उच्च क्वालिटी वाले हैं। सूत्रों की मानें तो बीजेपी विधायक प्रमोद नैनवाल, हरमिंदर सिंह बवेजा के काफी करीबी हैं।

बीजेपी विधायक दुर्गेश्वर लाल ने किया फैसले का स्वागत

दरअसल, उद्यान विभाग में चल रही गड़बड़ी का मामला उत्तरकाशी जिले की पुरोला विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक दुर्गेश्वर लाल ने भी उठाया था। उन्होंने ग्राउंड पर जाकर एक वीडियो बनाया था, जो काफी वायरल हुआ था, जिसके बाद से ही उद्यान विभाग के घोटाले के मुद्दा सियासत में उठ गया था। अब इस मामले पर विधायक दुर्गेश्वर लाल की भी प्रतिक्रिया आई है।

अपर मुख्य सचिव ने की प्रदेश के विभिन्न कर्मचारी/शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों संग बैठक

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर स्थानांतरण नीति को लेकर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने शुक्रवार को सचिवालय में प्रदेश के विभिन्न कर्मचारी/शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान कार्मिक, न्याय, वित्त विभाग के अधिकारियों समेत सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने नई स्थानांतरण नीति पर विचार विमर्श किया। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि कार्मिको के हितों को ध्यान रखने के साथ ही प्रदेश की जनता को बेहतर सुविधा मिले, इसी ध्येय के साथ नई स्थानांतरण नीति को लेकर सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं।

अपर मुख्य सचिव ने कार्मिक विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में कई ऐसे स्थान हैं जो 15–20 साल पूर्व तक अति दुर्गम/दुर्गम की श्रेणी में थे एवं वर्तमान में सड़क एवं अन्य सुविधाओं की वजह से सुगम क्षेत्र में आ गये हैं ऐसे क्षेत्रों का पुनरीक्षण किया जाए। बैठक के दौरान जनपद कैडर, मण्डल कैडर और प्रदेश कैडर के कार्मिकों को एक बार सेवाकाल में गृह जनपद में तैनाती, पदोन्नति और स्थानांतरण में काउन्सलिंग कराने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए।

जीआईसी हवालबाग में शैक्षणिक प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित

अल्मोड़ा। राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज हवालबाग में शैक्षणिक प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध शिक्षाविद व सिटी मोंटेसरी स्कूल(उटर) लखनऊकी पूर्व हेड मिस्ट्रेस जया पांडे थीं। उनके द्वारा विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के टिप्स दिए गए, साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के हिंदी व अंग्रेजी पाठन को भी सुना व विजयी प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए। उनके द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी को 500 रूपये, द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी को 350 रुपए व तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी को ढाई सौ रुपए प्रदान किए एवं प्रत्येक प्रतिभागी को पुस्तक भी प्रदान की गई।

इसके साथ ही उन्होंने वंदना, स्वागत गीत व संस्कृत समूह गान में प्रतिभाग कर रही छात्राओं को 2100 रूपये देकर सम्मानित किया।

हेल्थ मेले में 195 लोगों ने कराई जांच

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में 'विशेषज्ञ हेल्थ मेले' का आयोजन किया गया। हेल्थ मेले में 195 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई, जबकि 29 को एक्स-रे व 06 ग्रामीणो को अल्ट्रासाउंड व 95 को लैब टेस्ट की सेवा प्रदान की गई।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमल सिंह गुसाईं ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच प्रत्येक लाभार्थी तक सुनिश्चित करने के लक्ष्य के साथ चल रहे आयुष्मान भवः अभियान शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में विशेषज्ञ हेल्थ मेले का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि हेल्थ मेले में जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग के विशेषज्ञ चिकित्सक दल द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए 195 ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की गई। अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज बडोनी द्वारा 37, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित अंब द्वारा 29, सर्जन डॉ. वैभव द्वारा 69, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. हिमानी द्वारा 32, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. तस्दीक खान द्वारा 21, डॉ. दीपाली नौटियाल द्वारा बाल रोग के 06 व मानसिक रोग के 01 व्यक्ति की जांच की। वहीं, सोनोलॉजिस्ट डॉ. राजीव चैधरी द्वारा 06 का अल्ट्रासाउंड किया गया, जबकि 26 लोगों का एक्सरे व 95 का लैब टेस्ट किया गया। साथ ही 05 लोगों की आभा आईडी व 06 का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। मेले में पहुंचे अधिकांश लोगों द्वारा आभा आईडी व आयुष्मान कार्ड बनाया गया था। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों से संबंधित पंपलेट वितरित कर ग्रामीणों को स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. आशुतोष कुमार, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. विशाल वर्मा, फार्मासिस्ट केके सेमवाल, लैब टैक्नीशियन सुनील बिष्ट, डीपीएमसी एनटीईपी मुकेश बगवाड़ी, ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक मुदित मैठाणी, ब्लाक लेखा प्रबंधक बलवंत बजवाल आदि मौजूद रहे।

मिट्टी/ अनाज से भरा कलश सम्मानपूर्वक अमृत वाटिका नई दिल्ली के लिए किया जाएगा रवाना

देहरादून। देश के जाबांज वीरों के शौर्य और बलिदान को समर्पित मेरी माटी मेरा देश अभियान का जनपद स्तरीय कार्यक्रम के उपरान्त कल (शनिवार) को राज्य स्तर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मिट्टी/ अनाज से भरा कलश को उत्तराखंड की पारंपरिक लोक संस्कृति व गाथाओं के साथ सम्मानपूर्वक अमृत वाटिका नई दिल्ली के लिए वाहनों के माध्यम से रवाना किया जाएगा।

जिलाधिकारी सोनिका के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान के नेतृत्व में जिले के सभी विकास खंडों में इस कार्यक्रम को भव्य रूप में सम्मान के साथ मनाया गया। जनपद के प्रत्येक गांव में सम्मान समारोह आयोजित कर देश के प्रति अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले जांबाजों के परिजनों को सम्मानित किया गया। तदोपरांत गांव की पवित्र माटी को कलश में भरकर पहले विकासखण्ड मुख्यालय में एकत्रित करने के उपरान्त प्रत्येक विकासखण्ड से मिट्टी कलश को जनपद मुख्यालय में लाया गया। जिसे कल (शनिवार) को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद औपचारिक रूप देश राजधानी के लिए रवाना किया जाएगा। कलश यात्रा आगामी दिनों कर्तव्य पथ दिल्ली में सम्पन्न होगी।

जनपद में जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में नोडल अधिकारी मेरी माटी मेरा देश/ मुख्य विकास अधिकारी सुझरना कमठान के कुशल नेतृत्व में जनपद स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम के तहत 9 अक्टूबर को विकास खंड कालसी,10 अक्टूबर को डोईवाला,11 अक्टूबर को चकराता एवं 13 अक्टूबर को रायपुर,सहसपुर, विकासनगर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। मिट्टी कलश को विकासखंडों में एकत्र किए गए। कल (शनिवार) को नींबूवाला में संस्कृति विभाग के ऑडिटोरियम में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद मिट्टी कलश यात्रा को सम्मान पूर्वक दिल्ली रवाना किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मेरी माटी मेरा देश अभियान में जिले में आम जनता के साथ ही, समाजसेवियों,गणमान्यगणों,प्रबुद्ध जनों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा बढ़चढ़कर प्रतिभाग कर अभियान को सफल बनाया।

उक्त अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव में देश सेवा के प्रति अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर वीर सपूतों को याद किया गया। तथा उनकी याद में गांव में अविस्मरणीय शीला फलक की स्थापना की गई।

बहुउद्देशीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

देहरादून। माननीय उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल एवं मा0 जिला न्यायाधीश/मा0 अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून निर्देशानुसार आज जनपद देहरादून के स्थान–टॉउन हॉल, नगर पालिका परिषद मसूरी, देहरादून, उत्तराखण्ड के परिसर में बहुउद्देशीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ सचिव/वरिष्ठ सिविल जज, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून हर्ष यादव, एवं नगर पालिका परिषद मसूरी के अध्यक्ष अनुज गुप्ता द्वारा दीप प्रजव्वलन से किया। उक्त शिविर में हर्ष यादव, सचिव/वरिष्ठ सिविल जज, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून के गठन एवं कार्यों, भारतीय संविधान में वर्णित विभिन्न प्रावधान, पोक्सो एक्ट, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, महिलाओं के विरुद्ध अपराध, बालकों के अधिकार एवं स्वास्थ्य, साईबर अपराधों, जनपद देहरादून में नशे की समस्या के सम्बंध में जानकारी दी गयी।

एमएड की 24 सीटों में अभ्यर्थियों ने लिया प्रवेश

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय में संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो भीमा मनराल के निर्देशन में एमएड प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की जा रही है।

शुक्रवार को एमएड की 55 सीटों के सापेक्ष पहले चरण की काउंसलिंग में 24 सीटों में प्रवेश दिया गया। शिक्षा संकाय की विभागाध्यक्ष प्रो भीमा मनराल ने बताया कि दूसरे चरण की काउंसलिंग एक सप्ताह बाद आयोजित की जाएगी।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता, गतिशक्ति, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदाएं (एकल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है:–

1.	टेंडर स. तारीख	SnT-GSU-MB-04-2023-24 27.10.2023
2.	कार्य का नाम	"Improvement and alteration in Goods Shed at BYRC in MB Division." मुरादाबाद मंडल में BRYC में गुड्स शेड में परिवर्तन और सुधार का प्रावधान ।।
3.	कार्य पूरा करने की अवधि	04 (चार) माह
4.	विज्ञापित मूल्य (Rs.)	Rs. 45,13,571.57/- (पैंतालीस लाख़ तेरह हज़ार पाँच सौ एकत्तर रुपए सत्तावन पैसा मात्र)
5.	अग्रिम राशि (Rs.)	Rs. 90,300/- (नब्बे हज़ार तीन सौ रुपए मात्र)
6.	ऑफर की वैधता	60 दिन निविदा खुलने की तिथि से
7.	ई–निविदा जमा करने की तारीख / समय एवं निविदा खुलने की तारीख।	निविदा दिनांक 07.11.2023 से 21.11.2023 को 15:00 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है। निविदा दिनांक 21.11.2023 को 16:00 खोली जाएगी।
8.	विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र	विस्तृत निविदा सूचना एवं निविदा आई. आर. ई. पी. एस. की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 27.10.2023 से 21.11.2023 को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी।

• ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिये भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैन्युअल निविदाएँ स्वीकृत नहीं की जायेंगी।

No. Dy.CSTE/GSU/MB/Publication-06/23-24 Dated: 27.10.2023 3379/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

निविदा सूचना सं.: Elect/TRD/MB/2023-24/TN-25 दिनांक: 27.10.2023

विभाग	Electrical (TRD)	Electrical (TRD)
टेंडर नं.	T-04-TRD-MB-23-24	T-21-TRD-MB-23-24
कार्य का नाम	अमृत भारत योजना के अंतर्गत मुरादाबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों के उन्नयन के संबंध में टी.आर.डी. का कार्य।	समक्षणिक रिसेप्शन और डिस्पैच सुविधा चरण–2 और मुरादबाद में कंटेनर डिपो से सीधे प्रस्थान के संबंध में ओएचई संशोधन का कार्य।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	20.11.2023, 15.00 Hrs	20.11.2023, 15.00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (रू.)	Rs. 1,45,10,830.23/- (Including GST@18%)	Rs. 33,65,107.86/- (Including GST@18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (रू.)	Rs. 2,22,600/-	Rs. 67,300/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (रू.)	NIL	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 days	60 days
कार्य पूरा करने की अवधि	12 Months	09 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

3374/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / समन्वय द्वारा ई–टेंडर जिनके बंद होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जाएंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या / दिनांक	121-DRM-MB-23-24 Date: 02.08.2023		
कार्य का नाम	Construction of boundary wall near various stations and its approaches as measure to safeguard track and establishment avoiding encroachment in the section of ADEN/RK		
टेंडर क्लोजिंग दिनांक / समय	21.11.2023 (16:00 hrs.)		
अनुमानित लागत	₹4,00,05,798.75		
धरोहर राशि	₹3,50,000.00	बिडिंग आरंभ तिथि	07.11.2023
ऑफर की वैधता	60 दिन	कार्य पूर्ण करने की अवधि	09 माह

सं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 27.10.2023 3352/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

पिटे नारों के सहारे!

ओबीसी ध्रुवीकरण की राजनीति का एक्सपायरी डेट गुजर चुका है। गुजरे दशकों में भाजपा ने जातीय प्रतिनिधित्व की राजनीति इतनी कुशलता से की है कि दलित या ओबीसी की बड़ी आइडेंटिटी के आधार पर विशाल ध्रुवीकरण की जमीन खिसक चुकी है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का माहौल गरमा रहा है। वहां सत्ता के बड़े दावेदार अब खुद को प्रचार में झोंक रहे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर वैचारिक दिवालियापन का शिकार होने और अर्बन नक्सल्स के हाथ में खेलने का आरोप लगाया। अर्बन नक्सल की बात एक नैरेटिव है, जिसके जरिए गुजरे कुछ वर्षों से भाजपा अपने विपक्षियों को घेरती रही है। इसलिए इस आरोप को नजरअंदाज किया जा सकता है। लेकिन जहां तक वैचारिक दिवालियेपन की बात है, तो कांग्रेस सहित तमाम विपक्ष के संदर्भ में कई बार यह बात दमदार लगती है। मोदी सरकार के साढ़े नौ वर्ष के शासनकाल में अगर विपक्षी पार्टियां जनता को यह नहीं बता पाई हैं कि उनका सकारात्मक एजेंडा क्या है, तो ऐसे आरोप अगर उन पर चिपकते दिखें, तो उसके लिए कौन जिम्मेदार है? कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने विदेश दौरों के समय कुछ नया चिंतन सामने रखते सुने जाते हैं। मगर देश लौटने के बाद वे बातें उनके शब्दकोश से कहीं गायब हो जाती हैं। यहां उन्हें लगता है कि जज्बाती मुद्दे ही चुनाव जीतने का फॉर्मूला हैं। इस सिलसिले में उनमें जातीय जनगणना और ओबीसी की उपेक्षा को लेकर प्रेम और जगा है। केंद्रीय सचिवों में सिर्फ तीन ओबीसी होने की बातें वे जनसभाओं में उस तरह कह रहे हैं, जैसे कि यह कोई नई जानकारी वो ढूंढ लाए हैं। उन्हें लगता होगा कि इससे ओबीसी जातियां कांग्रेस के पक्ष में गोलबंद हो जाएंगी। मगर दिक्कत यह है कि यह राजनीति दशक भर से ज्यादा पुरानी हो चुकी है। इस बीच भाजपा ने जातीय प्रतिनिधित्व की राजनीति इतनी कुशलता से की है कि दलित या ओबीसी की बड़ी आइडेंटिटी के आधार पर उस श्रेणी में आने वाली तमाम जातियों के ध्रुवीकरण की जमीन खिसक चुकी है। ऐसा नहीं होता, तो मंडलवादी पार्टियां आज दिग्भ्रमित और संघर्ष करती नजर नहीं आतीं। जाहिर है, राहुल गांधी जिन नारों का सहारा ले रहे हैं, उनका एक्सपायरी डेट गुजर चुका है। उधर इस क्रम में यह भी संभव है कि राहुल गांधी के नारों से कांग्रेस के कुछ परंपरागत समर्थक बिदक जाएं।

चंद्रयान-तीन और उड़ने वाले रथ की कहानियां!

दूसरा सवाल है कि धर्मग्रंथों में वर्णित कथाओं से वैज्ञानिक उपलब्धियों की तुलना करने से क्या हासिल होता है? क्या इससे हिंदुओं के देवताओं और वैज्ञानिकों दोनों की प्रतिष्ठा कम नहीं होती है? नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के थोड़े दिन के बाद ही मुंबई में रिलायंस के एक अस्पताल का उद्घाटन करने गए थे, जहां उन्होंने डॉक्टरों के सामने बताया था कि कैसे भगवान शिव ने सर्जरी के जरिए गणेश भगवान के शरीर पर हाथी का सिर लगाया था। इसी तरह की बात यह भी है कि देवताओं के रथ उड़ते थे और इसका मतलब है कि उनको वैमानिक शास्त्र का ज्ञान था। क्या इससे देवों के देव महादेव एक सामान्य सर्जन की बराबरी में या बाकी भगवान विमान बनाने वाले इंजीनियर की बराबरी में नहीं आ गए? हम लोगों के भगवान तो चमत्कारिक हैं। महादेव तीसरी आंख खोल कर पूरी दुनिया को भस्म कर सकते हैं और उनके तांडव से तीनों लोक हिल जाते हैं तो उनको भला क्यों पार्वती पुत्र की सर्जरी की जरूरत होती? असल में देवताओं के चमत्कार की तुलना वैज्ञानिकों की उपलब्धियों से करना देवताओं का अपमान तो है ही साथ ही वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को भी कमतर करने वाला है।दरअसल भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस के अनेक बड़े लोगों की समस्या है कि वे प्राचीन भारत की गौरवशाली उपलब्धियों के बारे में बताते हुए हमेशा मिथक कथाओं के संसार में प्रवेश कर जाते हैं, जबकि हकीकत में प्राचीन भारत के नाम बड़ी उपलब्धियां हैं,

अजीत द्विवेदी

चंद्रयान-तीन का चंद्रमा पर और खासतौर से उसके दक्षिणी ध्रुव की सतह पर उतरना निःसंदेह भारत के वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में यह उपलब्धि मील का पत्थर है। इसलिए निश्चित रूप से भारत के लोगों को इसके बारे में बताया जाना चाहिए और छात्रों को स्कूलों में इसके बारे में पढ़ाया जाना चाहिए। तभी राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद यानी एनसीईआरटी ने स्कूली छात्रों के लिए चंद्रयान-तीन के बारे में विशेष रीडिंग मॉड्यूल तैयार करने की बात कही तो इसका चौतरफा स्वागत हुआ। एनसीईआरटी ने यह विशेष पाठ्य सामग्री तैयार कर दी है, जिसे 17 अक्टूबर को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जारी किया। अंग्रेजी के अखबार 'द हिंदू' की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस पाठ्य सामग्री को लेकर विवाद शुरू हो गया है क्योंकि इसमें विज्ञान के साथ साथ मिथक कथाओं का घालमेल कर दिया गया है और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो के वैज्ञानिकों की बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महिमामंडन ज्यादा किया गया है।

प्रधानमंत्री का महिमामंडन एक बात है लेकिन विज्ञान के साथ मिथक कथाओं को जोडऩे से बच्चों को बड़ा शैक्षणिक नुकसान हो सकता है। अगर सरकार स्कूली बच्चों को स्वतंत्र विषय के तौर पर मिथक कथाओं के बारे में पढ़ाना चाहती है तो वह बिल्कुल अलग बात है। वैदिक गणित से लेकर ज्योतिष और कर्मकांड आदि की शिक्षा के लिए अलग पाठ्यक्रम बनाए गए हैं और बड़े संस्थानों में भी अब उनकी पढ़ाई शुरू हो गई है। लेकिन विशुद्ध विज्ञान के साथ मिथक कथाओं को जोडऩे का बड़ा नुकसान हो सकता है। इससे बच्चों में वैज्ञानिक चेतना की बजाय अवैज्ञानिकता और अंधविश्वास बढऩे का खतरा पैदा होगा। प्राचीन भारत में गर्व करने के लायक बहुत सी चीजें हैं उनके बारे में लोगों को बताया जाना चाहिए और उन पर गर्व भी किया जाना चाहिए लेकिन विज्ञान की किताब में यह बताने से कि प्राचीन काल में देवताओं के रथ उड़ते थे, बच्चों का भला नहीं होगा, उलटे उनका बड़ा नुकसान हो जाएगा।

'द हिंदू' की रिपोर्ट के मुताबिक एनसीईआरटी के विशेष रीडिंग मॉड्यूल की भूमिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी का संदर्भ दिया गया है। प्रधानमंत्री ने इसमें चंद्रयान-तीन की सफल लैडिंग के बारे में कहा है, 'क्या यह वैज्ञानिक उपलब्धि पहली बार अभी हासिल की गई है? क्या अतीत में ऐसा कभी नहीं हुआ? क्या अतीत में लोगों ने इसके बारे में नहीं सोचा था'? इसके बाद खुद ही जवाब देते हुए प्रधानमंत्री कहते हैं, 'वैमानिक शास्त्रः विमानों के विज्ञान में कहा गया है कि उडऩे वाले वाहनों के बारे में देश को पहले से पता था।' रीडिंग मॉड्यूल में आगे कहा गया है, 'भारत के सबसे प्राचीन ग्रंथ वेदों में कहा गया है कि कई देवताओं के पास पहियों वाले रथ थे, जिन्हें कोई न कोई पशु, ज्यादातर मामलों में घोड़े खींचते थे और ये रथ उड़ भी सकते थे'। सवाल है कि क्या वैमानिक शास्त्र में या वेद में विमान बनाने की जो विधि लिखी है उसी का इस्तेमाल करके इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान का निर्माण किया? अगर नहीं तो इसके जिक्र से क्या हासिल होना है?

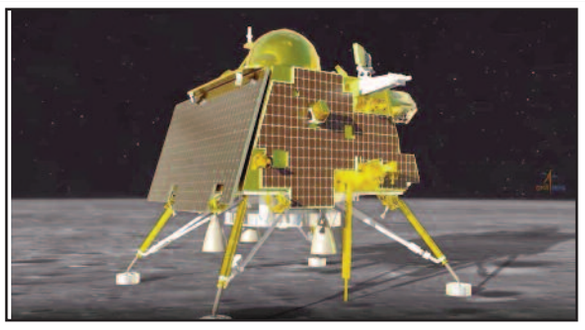

बहरहाल, अगर चंद्रयान-तीन की उपलब्धि के बारे में बताते हुए बच्चों को यह पढ़ाया जाएगा कि अत्यंत प्राचीन काल में भारत के पास विमान की तकनीक थी और देवताओं के रथ उड़ते थे तो यह क्यों नहीं बताया जाए कि पहले तो चंद्रमा पर जाने की जरूरत ही नहीं थी क्योंकि चंद्रमा तो धरती पर आते रहते थे? प्राचीन हिंदू ग्रंथों में चंद्रमा से जुड़ी कई कहानियां मिलती हैं, जिनमें एक कहानी इंद्र, चंद्रमा, अहिल्या और महर्षि गौतम से जुड़ी है। इस कहानी के मुताबिक ब्रह्मा जी ने अहिल्या की शादी के लिए स्वंयवर का आयोजन किया था, जिसमें महर्षि गौतम को अहिल्या ने वर चुना था लेकिन इंद्र उनकी सुंदरता पर मोहित थे। एक दिन इच्छा के वशीभूत इंद्र धरती पर अहिल्या से मिलने आए और अपने साथ चंद्र देव को भी लेते आए। दोनों ने मिल कर महर्षि गौतम को अहिल्या से दूर ले जाने की योजना बनाई। इस योजना के तहत चंद्रमा ने आधी रात को मुर्गे की आवाज में बांग दी, जिसे सुन कर गौतम गंगा स्नान के लिए चले गए और तब इंद्र उनका वेश बना कर घर के अंदर चले गए। दूसरी ओर जब गौतम गंगा तट पर पहुंचे तो उन्हें कुछ संदेह हुआ और इस बीच गंगा ने उनको बता दिया यह इंद्र का जाल है। गुस्से में महर्षि गौतम घर लौटे तो उन्होंने चंद्रमा को बाहर बैठे देखा और उनको श्राप दिया कि उन पर राहु की कुदृष्टि हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने अपना कमंडल भी चंद्रमा पर फेंक कर मारा था, जिसकी वजह से उन दाग लगा हुआ है। कहानी के मुताबिक उन्होंने अहिल्या को भी श्राप दिया था, जिस श्राप से अहिल्या को भगवान राम ने मुक्ति दिलाई। सोचें, क्या चंद्रमा के बारे में पढ़ाते हुए विज्ञान की कक्षाओं में बच्चों को यह कहानी बताई जा सकती है? अगर नहीं तो फिर देवताओं के रथ उडऩे की कहानी बताने का क्या मतलब है?

दूसरा सवाल है कि धर्मग्रंथों में वर्णित कथाओं से वैज्ञानिक उपलब्धियों की तुलना करने से क्या हासिल होता है? क्या इससे हिंदुओं के देवताओं और वैज्ञानिकों दोनों की प्रतिष्ठा कम नहीं होती है? नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के थोड़े दिन के बाद ही मुंबई में रिलायंस के एक अस्पताल का उद्घाटन करने गए थे, जहां उन्होंने डॉक्टरों के सामने बताया था कि कैसे भगवान शिव ने सर्जरी के जरिए गणेश भगवान के शरीर पर हाथी का सिर लगाया था। इसी तरह की बात यह भी है कि देवताओं के रथ उड़ते थे और इसका मतलब है कि उनको वैमानिक शास्त्र का ज्ञान था। क्या इससे देवों के देव महादेव एक सामान्य सर्जन की बराबरी में या बाकी भगवान विमान बनाने वाले इंजीनियर की बराबरी में नहीं आ गए? हम लोगों के भगवान तो चमत्कारिक हैं। महादेव तीसरी आंख खोल कर पूरी दुनिया को भस्म कर सकते हैं और उनके तांडव से तीनों लोक हिल जाते हैं तो उनको भला क्यों पार्वती पुत्र की सर्जरी की जरूरत होती? असल में देवताओं के चमत्कार की तुलना वैज्ञानिकों की उपलब्धियों से करना देवताओं का अपमान तो है ही साथ ही वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को भी कमतर करने वाला है।

दरअसल भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस के अनेक बड़े लोगों की समस्या है कि वे प्राचीन भारत की गौरवशाली उपलब्धियों के बारे में बताते हुए हमेशा मिथक कथाओं के संसार में प्रवेश कर जाते हैं, जबकि हकीकत में प्राचीन भारत के नाम बड़ी उपलब्धियां हैं, जिन पर गर्व किया जा सकता है। शून्य के आविष्कार से लेकर शून्य का मान निकालने, दशमलव के आविष्कार से लेकर पाई का मान दशमलव के आगे चार अंक तक निकालने की उपलब्धि हमारी रही है। खगोल विज्ञान से लेकर योग और दर्शन व कामसूत्र तक की रचना भारत में हुई है। हमें इनके बारे में बात करनी चाहिए। दुनिया में कहीं भी कोई आविष्कार हो तो यह कह देना कि भारत में पहले से ऐसा था, असल में पूरे देश को हास्यास्पद बना देता है। हमारी सारी वास्तविक उपलब्धियां भी बौनी हो जाती हैं। लोग पलट कर पूछते हैं कि आपके शास्त्र में विमान बनाने की तकनीक थी तो आपने इतने बरसों तक बनाया क्यों नहीं? इसके जवाब में व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी में यह पढ़ाया जाता है कि यूरोपीय लोग जब पहली बार भारत आए तो भारत के धर्मग्रंथों में ज्ञान का खजाना देखा और उसे चुरा कर अपने यहां ले गए। वहां उन्होंने उसका अनुवाद कराया और तभी उन जाहिल लोगों के यहां पुनर्जागरण हुआ। हालांकि व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी के उस पाठ्यक्रम में यह जवाब नहीं दिया जाता है कि हम लोगों ने क्यों नहीं उस ज्ञान का इस्तेमाल करके अपना पुनर्जागरण कर लिया? क्यों आज भी हम बोइंग और एयरबस जैसी कंपनियों से लाखों करोड़ रुपए के विमान खरीदते हैं, जबकि हम तो वैमानिक शास्त्र पढ़ कर चुटकियों में विमान बना सकते हैं?

बहरहाल, आज सबसे बड़ी जरूरत युवा छात्रों में वैज्ञानिक चेतना का प्रसार करने की है। उनमें विज्ञान के विषयों के प्रति रूचि पैदा करने की है ताकि समय के साथ भारत जो विज्ञान के क्षेत्र में पिछड़ता चला गया है उसे दुनिया के साथ कदमताल करने के लायक बनाया जाए। अभी अगर चंद्रयान के बारे में वैज्ञानिक ढंग से पढ़ाने की बजाय देवताओं के रथ उडऩे या चंद्र ग्रहण का मतलब राहु द्वारा चंद्रमा को ग्रसित करना पढ़ाया जाएगा तो उसका आने वाली पीढ़ियों को बड़ा नुकसान भुगतना होगा। अपनी धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत पर और प्राचीन भारत की उपलब्धियों पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए लेकिन प्राचीन भारत की उपलब्धियों के तौर पर धर्मग्रंथों या मिथक कथाओं की बातें पढ़ाना नुकसानदेह हो जाएगा।

सेहत का खज़ाना है केला, खाने से दूर हो सकती हैं कई तरह की बीमारियां, पर जानें कब बन जाता है फल खतरनाक

केला खाने से एक-दो नहीं बल्कि 80 तरह की बीमारियां दूर हो सकती है. यह काफी पौष्टिक और फायदेमंद फल है. इसे खाने से शरीर ताकतवर बनता है और कई तरह समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है. हालांकि, कई बार यह खतरनाक भी हो सकता है और सेहत को नुकसान पहुंचाने लगता है. यही कारण है कि आयुर्वेद में कुछ लोगों को केला खाने से मना किया जाता है. आइए जानते हैं किन लोगों को केला भूलकर भी नहीं खाना चाहिए...

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, केला सेहत का सच्चा दोस्त होता है. यह पौष्टिक तत्वों का खजाना होता है. इसमें विटामिन सी, फाइबर, पोटैशियम, मैंगनीज, विटामिन बी 6, एंटीऑक्सीडेंट ग्लूटाथियोन, फेनोलिक्स, डेल्फिडिनिन, रुटिन और नारिंगिन पाया जाता है, जो वात पित्त दोष को बैलेंस करने का काम करते हैं. आयुर्वेद कहता है कि वात के बिगडऩे से करीब 80 तरह की बीमारियां हो सकती हैं. इसमें ड्राइनेस, हड्डियों में गैप, कब्ज जैसी कई समस्याएं हैं. इसलिए केला खाने से इन सभी से बचा जा सकता है.

वैसे तो केला हर किसी को फायदेमंद माना जाता है. हालांकि, आयुर्वेद के अनुसार, केले की प्रकृति ठंडा होता है और यह पचने में हैवी होता है. केला लुब्रिकेशन का काम भी करता है. अगर किसी की बॉडी ड्राई रहती है या हमेशा थकान लगती है तो उसे केला खाना चाहिए. इसके अलावा अच्छी नींद न आने, गुस्सा आने, बहुत प्यास लगने, शरीर जलन होने पर केला खाना चाहिए.

आयुर्वेद के मुताबिक, केला कफ दोष को बढ़ा देता है. इसलिए जिनका कफ ज्यादा है, उन्हें केला गलती से भी नहीं खाना चाहिए. क्योंकि कफ के बढऩे से जठराग्नि कमजोर है तो यह उसे स्लो कर देगा. अगर किसी की चर्बी ज्यादा है, खांसी-जुकाम की समस्या है और कोई दमा का मरी है तो उसे केला नहीं खाना चाहिए.

गुस्साएं 45 करोड अरबी, आशंकित हुक्मरान

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने एक पूरे दिन फिलिस्तीन-समर्थक प्रदर्शनों की अनुमति देकर इस आक्रोश को अपने प्रति समर्थन में बदलने का प्रयास किया था। परन्तु उनका पांसा उल्टा पड़ गया। पूर्व निर्धारित स्थानों को छोडक़र लोग तहरीर स्क्वायर पहुंच गए जहाँ उन्होंने रोटी, आज़ादी और सामाजिक न्याय मांगते हुए वही नारे लगाए जो 2011 के प्रदर्शनों में लगाए जाते थे। तहरीर स्क्वायर एक प्रसिद्ध स्थल है और वहां नारेबाजी से निश्चित ही सरकार घबरा गई होगी।

श्रुति व्यास

अरब लोग नाराज़ हैं।ये दो दर्जन से ज्यादा देशों में फैलेकोई 45 करोड़ है। उनकी सहानुभूति फिलिस्तीन के साथ है। अरबी लोग फिलिस्तीनके पक्ष में खुल कर बोल रहे हैं। वे 24 घंटे टीवी से चिपके रहते हैं और सोशल मीडिया पर कभी खत्म न होने वाली चर्चा में हमास के भयावह हमले, जिसे उन्होंने 'प्रिजन ब्रेक' (जेल तोडऩा) का नाम दिया है, पर अपनी-अपनी बात कहते हुए हैं। उनके पोस्ट, बताते हैं कि वे हमास के बर्बर हमले के ज़बरदस्त समर्थक हैं। उनकी निगाह में इजराइल एक 'युद्ध अपराधी' है।

वैसे कुछ अरब देशों ने इजराइल के साथ सामान्य संबंध बनाए हुए हैं। इनमें मिस्र और जॉर्डनशामिल हैं। इन्होनेक्रमशः 1979 और 1994 में इजराइल को मान्यता दी थी। फिर 2020 में अब्राहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। लेकिन पिछले हफ्ते अम्मान में इजराइली दूतावास में घुसने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों और जॉर्डन की पुलिस के बीच भिड़ंत हुई। बेरूत मे भी अमेरिका के दूतावास पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। पिछले दो शुक्रवारों से मिस्र में लोग फिलिस्तीनियों को विस्थापित कर दूसरी जगह बसाने की इजराइल की रणनीति के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। मोरक्को में हजारों लोगों ने यह नारा लगाते हुए जुलूस निकाला कि इजराइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की कोई भी कोशिश अपराध मानी जाए। रबात में इजराइल का लिईसों आफिस बंद हो गया है। उसके कर्मचारियों को वापस भेज दिया गया है। बहरीन में इजरायली दूतावास की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस को तितर-बितर करना पड़ा। अगर सूडान अपने स्वयं के युद्ध में उलझा न होता तो वहां भी निश्चित रूप से उसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन होते जैसे वहां की सरकार द्वारा सन् 2020 में इजराइल से सामान्य संबंध कायम करने के बाद हुए थे।

इस सब की आशंका पहले से थी। फिलिस्तीनियों की उनकी ज़मीन से बेदखली पूरे मध्यपूर्व में एक बड़ा राजनैतिक मुद्दा है। इस पर लोगों को गोलबंद करना, उन्हे भडक़ाना काफी आसान होता है। लेकिन पहले के टकरावों, जैसे गाजा में सन् 2014 में हुए 50 दिन के युद्ध, की तुलना में इस बार पूरे क्षेत्र में अधिक घबराहट है। यह क्षेत्र आर्थिक दृष्टि से अधिक अस्थिर हो गया है और भावनात्मक ध्रुवीकरण बढ़ा है जिससे अरब देशों की सरकारों के लिए भी खतरा उत्पन्न हो गया है। इसलिए ये विरोध प्रदर्शन अब सिर्फ फिलिस्तीन के मुद्दे पर केन्द्रित नहीं हैं। बल्कि ऐसे संकेत हैं कि जो गुस्सा पहले दबा दिया गया था, वह दुबारा जोर पकड़ सकता है।मिस्र एक कमजोर सरकार की कमान में आर्थिक संकट से जूझ रहा है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने एक पूरे दिन फिलिस्तीन-समर्थक प्रदर्शनों की अनुमति देकर इस आक्रोश को अपने प्रति समर्थन में बदलने का प्रयास किया था। परन्तु उनका पांसा उल्टा पड़ गया। पूर्व निर्धारित स्थानों को छोडक़र लोग तहरीर स्क्वायर पहुंच गए जहाँ उन्होंने रोटी, आज़ादी और सामाजिक न्याय मांगते हुए वही नारे लगाए जो 2011 के प्रदर्शनों में लगाए जाते थे। तहरीर स्क्वायर एक प्रसिद्ध स्थल है और वहां नारेबाजी से निश्चित ही सरकार घबरा गई होगी।

जोर्डन भी आर्थिक दृष्टि से कमजोर हो गया है।यहां भी सऊदी अरब की तरह राजतंत्र है और निरंकुश, गैर-जवाबदेह शासन की बेरहमी को संतुलित करने के लिए सरकार तुष्टिकरण, अनुदान, संरक्षण और उत्पीडऩ का सहारा लेती है, जो अमूमन इस तरह की सरकारों का आधार होता है।

कतर, जहां हमास का राजनैतिक कार्यालय है, अलबत्ता शक्तिशाली है और तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले दशक में वह प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा निर्यातक बना है, और यूरोप को किए जाने वाले निर्यात में रूस का विकल्प बनने के लिए अमरीका से प्रतियोगिता कर रहा है।

अरब इलाके में इजराइल के संरक्षक अमेरिका काअब पहले जैसा प्रभाव नहीं है।तभी दुनिया नेदेखा। कि अमेरिका के चाहने के बावजूद राष्ट्रपति बाईडन जोर्डन में शिखर वार्ता नहीं कर पाएं। एंटोनी ब्लिंकन के प्रति जरा सी भी गर्मजोशी नहीं दिखाई गई। लेबनान पिछले कुछ वर्षों से गंभीरतम आर्थिक संकट से गुजर रहा है। वह दिवालिया हो चुका है और दुनिया के सबसे अधिक ऋण-जीडीपी अनुपात वाले देशों में शामिल है। लेबनान के प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि वहां युद्ध होने की संभावना है। लेबनानियों को चिंता है कि शक्तिशाली शिया सैन्य संगठन हिजबुल्लाह इजराइल के खिलाफ दूसरा मोर्चा खोल देगा, जिससे उनका देश सन् 2006 की तरह एक तबाही लाने वाले युद्ध में फंस जाएगा। इनके अलावा ईरान भी है। खाड़ी के देशों को ईरान की नाराजगी की भी चिंता है क्योंकि उन्हें डर है कि ईरान के मुख्तार कहीं रियाद या अबूधाबी पर हमलावर न हो जाएँ।

कुल मिलकर यह केवल इजराइल के लिए अस्तित्व का संकट नहीं है बल्कि कई अरब देशों के शासकों को भय है कि उनकी भी यही स्थिति है। अब आक्रोश सिर्फ फिलिस्तीन के इलाके में और सिर्फ उसके मसले तक सीमित नहीं है। वह एक चिंगारी बन गया है। अरब देशों को डर इस बात का है कि इजराइल-हमास युद्ध कहीं इस क्षेत्र में अरब स्प्रिंग -सीजन 2 का मार्ग प्रशस्त न कर दे।

बार-बार गर्दन में होने वाले दर्द को हल्के में न लें, क्योंकि हो सकते हैं कैंसर के संकेत

खराब खानपान और लाइफस्टाइल की वजह से कैंसर हमारी जिंदगी में आग की तरह फैल गई है. आजकल आए दिन आप किसी न किसी कैंसर को लेकर चर्चे सुन ही लेंगे. हालांकि, मेडिकल साइंस में इतनी तरक्की होने के बावजूद अब तक इसका कोई परफेक्ट इलाज नहीं मिल पाया है.

रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 में एक करोड़ से ज्यादा लोगों की मौत का जिम्मेदार कैंसर हैं. इस आंकड़ें पर गौर करें तो हर 6 व्यक्ति में से एक की मौत कैंसर की वजह से होती है.

कैंसर के शुरुआती संकेत बेहद आम होते हैं. अगर कैंसर का पता शुरुआत में ही चल जाए तो इसका इलाज आसानी से किया जा सकता है. गर्दन का दर्द एक बहुत ही आम समस्या है. इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे गलत मुद्रा आदि. यह कोई गंभीर समस्या नहीं है, लेकिन अगर यह दर्द लंबे समय तक बना रहे या ठीक न हो तो यह एक संकेत हो सकता है. गंभीर समस्या. गर्दन में बार-बार दर्द होना गर्दन और सिर के कैंसर का लक्षण हो सकता है. जानिए क्या हैं इसके लक्षण और जोखिम कारक.

गर्दन के कैंसर के लक्षण क्या हैं?

हमारी जीवनशैली के कारण गर्दन का दर्द एक बहुत ही आम समस्या बन गई है. बैठने की गलत मुद्रा के कई कारण हैं जैसे बहुत देर तक गर्दन झुकाकर बैठना. मांसपेशियों में खिंचाव या गलत मुद्रा में सोना जिससे आपकी गर्दन में दर्द हो सकता है. चिंता की बात तब भी हो जाती है जब यह दर्द बार-बार होने लगे या ठीक न हो. बार-बार गर्दन में दर्द रहना गर्दन या सिर के कैंसर का लक्षण हो सकता है.

गर्दन के कैंसर के प्रमुख लक्षण निम्नलिखित हैं:

गला खराब होना
सिरदर्द
गर्दन का दर्द जो दूर नहीं होता
सांस लेने या बोलने में परेशानी होना
मुँह में या जीभ पर छाला जो ठीक न हो
जबड़े या गर्दन की सूजन
नाक से खून आना
कान में दर्द या संक्रमण
निगलने या चबाने में कठिनाई
ऊपरी दातों या चेहरे में दर्द
लार में खून

गर्दन के कैंसर के जोखिम कारक क्या हो सकते हैं?

एचपीवी संक्रमण

एचपीवी संक्रमण से गर्दन का कैंसर होने की संभावना होती है. इसलिए इसका टीका लेना बहुत जरूरी है।

खतरनाक रसायनों के संपर्क में आना

अपने काम के कारण आपको पेंट, लकड़ी की धूल आदि की गंध के संपर्क में काफी समय बिताना पड़ सकता है. इससे गर्दन और सिर का कैंसर हो सकता है. इसलिए ऐसे रसायनों से बचने का प्रयास करें.

जयन्त-राष्ट्रीय

कतर में फांसी से कैसे बच पाएंगे 8 पूर्व नौसैनिक!, जानें भारत के पास है क्या कानूनी विकल्प

नई दिल्ली , कतर में भारतीय नौसेना के 8 पूर्व नौसैनिकों को मौत की सजा सुनाई है। पूर्व नौसैनिकों को अगस्त 2022 में गिरफ्तार किया गया था। हैरानी की बात यह है कि सजा दे दी गई लेकिन आरोप का स्पष्ट रूप से खुलासा नहीं किया गया। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि उन्हें इजरायल के लिए एक सबमरीन प्रोग्राम की जासूसी करने का दोषी ठहराया गया है। ये सभी अल दाहरा कंपनी के कर्मचारी थे, जो कतर के सशस्त्र बलों को टेक्निकल कंसल्टेंसी सर्विसेज उपलब्ध कराती है। 30 अगस्त 2022 को गिरफ्तारी हुई और 29 मार्च 2023 से ट्रायल शुरू हुआ था। 7 सुनवाई के बाद डेथ की सजा सुना दी गई। कंपनी के

सीईओ को भी गिरफ्तार किया गया था लेकिन उन्हें फीफा वर्ल्ड कप से पहले रिहा कर दिया गया। दोहा में भारतीय राजदूत ने इसी साल 1 अक्टूबर को इन पूर्व अधिकारियों से मुलाकात की थी। जब से यह खबर आई है, भारतीयों के मन में सवाल और चिंता है कि इन्हें कैसे बचाया जाएगा? भारत सरकार के पास क्या विकल्प बचे हैं?

भारत सरकार की ओर से बताया गया है कि इस मामले में सभी कानूनी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और सभी कानूनी विकल्प तलाश रहा है। सजा पाए लोगों में पूर्व भारतीय नौसेना कर्मी कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और नाविक रागेश शामिल हैं। पूर्णेंदु तिवारी को दोहा की सिफारिश पर प्रवासी भारतीय सम्मान भी मिल चुका है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि सभी पूर्व अधिकारियों का नौसेना में 20 साल तक का बेदाग कार्यकाल था और उन्होंने सैन्य बल में प्रशिक्षक सहित महत्वपूर्ण पदों पर काम किया था। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम मौत की सजा सुनाए जाने के फैसले से बेहद स्तब्ध हैं और फैसले के विस्तृत ब्योरे का इंतजार कर रहे हैं।

हवाई यात्रियों की संख्या तो बढ़ी, पर उड़ानें नहीं; नतीजा आसमान छू रहा किराया

नई दिल्ली। क्या आपको भी लग रहा है कि बीते एक साल से देश में हवाई किराए बहुत बढ़ गए हैं? या आप ने अनुभव किया है कि आज–कल विमानों की ज्यादातर सीटें भरी रहती हैं। अगर हां, तो आपका आकलन बिल्कुल सही है। दरअसल, कोविड के बाद तीन साल में देश में हवाई यात्रियों की संख्या तो नई ऊंचाई पर पहुंच गई है, लेकिन उड़ानों की संख्या अब भी प्री–कोविड के बराबर है। ऐसे में डिमांड और सप्लाई का समीकरण बिगड़ने से हवाई किराये में ये तेजी नजर आ रही है। इसके अलावा, ऑपरेशन की ऊंची लागत भी हवाई किराए की बढ़ोतरी में भूमिका निभा रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन पर कुलपतियों का सम्मेलन

नई दिल्ली , केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के कार्यान्वयन पर पश्चिमी ज़ोन के कुलपतियों के सम्मेलन में शामिल हुए। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी इस अवसर की मौजूद थे। यहां धर्मेंद्र प्रधान ने एनईपी–2020 के जमीनी कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए इस प्रथम जोन–स्तरीय सम्मेलन के आयोजन सराहना की।

उन्होंने कहा कि एनईपी–2020 जो 2022 में काशी में गंगातट पर शिक्षा समागम से शुरू हुई, आज नर्मदा के पठार पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन तक पहुंची है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के लिए दृष्टिकोण, रोडमैप एवं रणनीतियों को स्पष्ट करने की यह यात्रा भारत का उज्ज्वल भविष्य निर्मित करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इस एनईपी के प्राथमिकता वाले क्षेत्र भारतीय भाषा, भारतीय ज्ञान परंपरा, कौशल, रोजगार और उद्यमिता शिक्षा हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह क्षेत्रीय सम्मेलन एक नई संस्कृति के विकास और बहु–विषयक शिक्षा की सर्वोत्तम पद्धतियों, एक से अधिक बार प्रवेश–निकास और प्रभावी एनईपी कार्यान्वयन के जरिए सभी के लिए समान अवसरों की राह बनाएगा।उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि यह क्षेत्रीय सम्मेलन एनईपी के कई प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर विचार–विमर्श कर रहा है, विशेष रूप से शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षा में स्किल प्रदान करने का इकोसिस्टम, अनुसंधान, शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे क्षेत्रों पर।उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां से निकले दृष्टिकोण, विचार और रोडमैप को सर्वोत्तम पद्धतियों एवं केस स्टडी के एक संग्रह में बदला जाएगा और उसे एनईपी कार्यान्वयन में एक समान दृष्टिकोण लाने के लिए कॉलेज स्तर पर मुहैया कराया जाएगा।सम्मेलन के दौरान कई तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और गवर्नेंस उच्च शिक्षा तक पहुंच, सामाजिक–आर्थिक रूप से वंचित समूहों (एसईडीजी) को समान और समावेशी शिक्षा के मुद्दे, शिक्षा और भविष्य की श्रमशक्ति को कौशल प्रदान करने के बीच तालमेल, कौशल, उद्योग संपर्क और रोजगारप्रदेयता के एकीकरण के माध्यम से समग्र शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता, अनुसंधान एवं विकास, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण और भारतीय ज्ञान प्रणाली आदि पर पैनल चर्चाएं शामिल थीं।

'खाता न बही, दुबई दीदी जो कहे वही सही'

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को कैश फॉर क्वैरी मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर तंज कसा। भाजपा सांसद ने महुआ मोइत्रा को 'दुबई दीदी' बुलाया।

निशिकांत दुबे ने महुआ मोइत्रा को बुलाया 'दुबई दीदी'

निशिकांत दुबे ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, आरोपी सांसद के उपर दुबई का इतना नशा है कि मेरा भी नाम एथिक्स कमेटी के चेयरमैन को लिखे पत्र में दुबई कर दिया है। भाजपा सांसद ने हैरानी जताते हुए कहा, मोहतरमा ने मेरा 'दुबे' नाम बदलकर अपने मानसिक स्थिति का वर्णन कर दिया है।

भाजपा सांसद ने महुआ मोइत्रा पर तंज कसते हुए कहा, 'दुबई दीदी' ने कुछ लोगों को बहस के लिए कहा। लोकसभा के नियमों खासकर कौल–शकधर किताब के पेज 246 के तहत गवाह कोर्ट, कचहरी, हल्ला गुल्ला से सुरक्षित है। खाता न बही दुबई दीदी जो कहे वही सही। जवाब राष्ट्रीय सुरक्षा व भ्रष्टाचार का चाहिए, यहां तो अखाड़ा की तैयारी है।

एथिक्स कमेटी के सामने पेश हुए निशिकांत दुबे

इससे पहले कैश फॉर क्वेरी मामले में निशिकांत दुबे गुरुवार को एथिक्स कमेटी के सामने पेश हुए।

नोएडा में लूट के मामले में वांछित दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

नोएडा , नोएडा के थाना एक्सप्रेस–वे पुलिस ने लूट के मामले में वांछित दो अभियुक्तों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस को उनके कब्जे से एक लूटी गयी ऑल्टो कार व अवैध हथियार बरामद हुआ है। थाना एक्सप्रेस–वे क्षेत्र के तहत गुलशन मॉल, सेक्टर–129 नोएडा के पास से दो अज्ञात बदमाश 18 अक्टूबर को एक ऑल्टो गाड़ी, पर्स व मोबाइल लूट कर ले गए थे। बदमाशो को पकडने के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया था। 27 अक्टूबर को थाना एक्सप्रेस–वे पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान वाजिदपुर टी पॉइंट सेक्टर–135 के पास गाड़ी ऑल्टो के–10 (बिना नम्बर प्लेट की) को रूकने का इशारा किया गया जिसपर कार सवार व्यक्ति गाड़ी मोडक़र तेजी से पुस्ता रोड से होते हुए फार्म हाउस की तरफ जाने वाले रास्ते पर भगाने लगे।

पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू ने जज को लिखा पत्र, जेल में बताया जान को खतरा

विजयवाड़ा ,आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट में शिकायत की है कि राजमुंदरी सेंट्रल जेल में उनकी जान को खतरा है, जहां वह कौशल विकास निगम मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। एसीबी कोर्ट विजयवाड़ा के विशेष न्यायाधीश को लिखे एक पत्र में, उन्होंने जेल के अंदर और उसके आसपास हुई कुछ अप्रिय घटनाओं को अदालत के ध्यान में लाया, जो ह्रजेड प्लस श्रेणी सुरक्षा प्राप्त होने के बावजूद उनके जीवन और अंग को खतरे में डाल सकती हैं ह्व

यह आरोप लगाते हुए कि वर्तमान सरकार और सत्ताधारी दल के नेताओं के कृत्यों के कारण उनकी सुरक्षा गंभीर खतरे में है, उन्होंने न्यायाधीश से जेल के अंदर और उसके आसपास उन्हें प्रदान की गई जेड प्लस श्रेणी सुरक्षा कवर के अनुरूप अचूक सुरक्षा व्यवस्था करने का अनुरोध किया। उन्होंने लिखा कि यह उनके संज्ञान में आया कि कुछ अज्ञात बदमाशों ने ह्रसत्ता में बैठे लोगों के इशारे पर एक भयावह योजनाह्व के साथ उनकी गतिविधियों को पकडने के लिए जेल के ऊपर एक ड्रोन उड़ाया था।

ड्रोन खुली जेल के पास आया जहां कुछ कैदी बंद थे। इस चिंताजनक घटना के बावजूद स्थानीय पुलिस ने सच्चाई सामने लाने या उक्त घटना के पीछे के मास्टरमाइंड को पकडने के लिए अब तक कोई कदम नहीं उठाया है। यह घटना इस नग्न सच्चाई को स्पष्ट रूप से उजागर करती है कि जेल अधिकारी असहाय हैं, 25 अक्टूबर को लिखे गए पत्र में यह कहा गया है और इसे तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने 27 अक्टूबर को मीडिया में जारी किया है।

नायडू ने लिखा कि उनके परिवार के सदस्यों की तस्वीरें लेने के लिए 6 अक्टूबर को केंद्रीय कारागार के मुख्य द्वार पर एक और ड्रोन उड़ाया गया था, जब वे उनसे मिलने के बाद बाहर आ रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में यह भी आया है कि कुछ शरारती तत्वों द्वारा जेल में गांजा के पैकेट फेंके गये थे और बागवानी कर रहे कुछ कैदियों ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया था। उन्होंने पत्र में कहा, केंद्रीय जेल, राजामहेंद्रवरम के अंदर बंद कुल 2,200 कैदियों में से 750 कथित एनडीपीएस अपराधों में हैं, जो मेरी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं।

टीडीपी सुप्रीमो ने न्यायाधीश को सूचित किया कि यह उनके संज्ञान में आया है कि एस कोटा से एनडीपीएस मामले में एक रिमांड कैदी जेल में पेन कैमरा के साथ घूम रहा था,

खराब वाहनों की नीलामी से मिला 55 करोड़ रुपये का राजस्व : रक्षा मंत्रालय

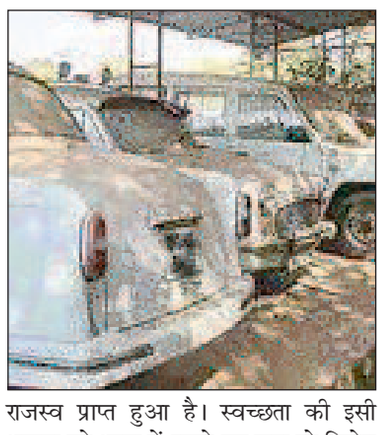

नई दिल्ली ,रक्षा मंत्रालय के ऐसे वाहन जो खराब हो चुके हैं, उन्हें बेचकर 55 करोड रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया है। यह प्रक्रिया रक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता अभियान का हिस्सा है। इसी अभियान के अंतर्गत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एजेंसी को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक स्थित रक्षा मंत्रालय के सचिवालय में सफाई का निरीक्षण किया।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मंत्रालय ने साउथ ब्लॉक में फर्नीचर स्क्रैप और फोटोकॉपियर मशीनों जैसे अप्रचलित और बेकार आईटी उपकरणों के निपटान से 5.34 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया है। मंत्रालय ने बताया कि खराब हो चुके वाहनों की नीलामी से भी 55 करोड़ रुपये का

राजस्व प्राप्त हुआ है। स्वच्छता की इसी भावना को ध्यान में रखते हुए चल रहे विशेष अभियान 3.0 के दौरान एक पुराने अप्रयुक्त कमरे का कचरा साफ किया गया और उसका नवीनीकरण किया गया तथा उसे 'महिला विश्राम कक्ष' में रूपांतरित कर दिया गया, जहां कर्मचारी दोपहर के भोजन के दौरान खुद को तरोताजा कर सकते हैं।

रक्षा मंत्री ने साउथ ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर 'महिला विश्राम कक्ष' का उद्घाटन किया। महिला कर्मचारियों ने दूसरों के लिए अनुकरणीय इस सकारात्मक पहल के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। राजनाथ सिंह ने भूतल पर कमरा नंबर 88 का भी दौरा किया, जिसका नवीनीकरण किया जा रहा है। अपशिष्ट पदार्थ एकत्र हो जाने के कारण यह कक्ष अब तक अप्रयुक्त था, जिसे अब साफ कर दिया गया है।

इस दौरान रक्षा मंत्री ने कर्मचारियों के साथ परस्पर बातचीत की।

चंद्रयान–3 के लैंडर विक्रम ने लैंडिंग के वक्त किया था कमाल, हटाई थी कई टन मून डस्ट

नई दिल्ली। देश के चंद्रयान–3 ने बीती 23 अगस्त को चंद्रमा के साउथ पोल के पास सॉफ्ट लैंडिंग की थी। जिसके बाद अब इसरो ने एक और अच्छी खबर दी है। चंद्रयान–3 के विक्रम लैंडर मॉड्यूल ने लैंड करते वक्त इजेक्टा हेलो उत्पन्न किया था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने जानकारी साझा करते हुए बताया है कि विक्रम लैंडर ने लगभग 2.06 टन मून डस्ट को 108.4 वर्ग मीटर के क्षेत्र में विस्थापित किया था।इसरो ने एक्स पर विवरण के साथ दस्तावेज का एक लिंक भी साझा किया है।

पराग देसाई की मौत के बाद जागा नगर निगम

अहमदाबाद , वाघ बकरी समूह के कार्यकारी निदेशक पराग देसाई (50) की उनके बोपल आवास के पास आवारा कुत्ते के हमले से हुई मौत के मद्देनजर, अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने आवारा कुत्तों की आबादी रोकने को अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि एएमसी का मवेशी नियंत्रण और उपद्रव विभाग (सीसीएनडी) आवारा कुत्तों के नसबंदी अभियान का नेतृत्व कर रहा है, और यह काम 25 अक्टूबर को शुरू हुआ। यह पहल तब हुई है जब एएमसी ने बोपल से घुमा तक लगभग 200 आवारा कुत्तों की पहचान की है। इसके आलोक में अब तक करीब 40 कुत्तों को नसबंदी के लिए पकड़ा जा चुका है। इस प्रयास को बढ़ावा देने के लिए, एएमसी ने इस नसबंदी अभियान में गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) के साथ सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से 8 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है।

नसबंदी अभियान के ऐतिहासिक अवलोकन से बड़े पैमाने पर निवेश का पता चलता है, इसमें 2020 से 2023 तक 9.11 करोड़ रुपये की कुल लागत से 98,333 कुत्तों की नसबंदी की गई। चालू वर्ष में 10 महीने की अवधि के भीतर 25,993 कुत्तों की नसबंदी की गई, जिस पर 2.53 करोड़ रुपये का खर्च आया। वर्तमान में, चार गैर सरकारी संगठन इस नसबंदी मिशन के लिए एएमसी के साथ साझेदारी में हैं। एएमसी प्रत्येक कुत्ते की नसबंदी के लिए 976.50 रुपये का भुगतान करती है। 2019–20 के बाद एएमसी के अधिकार क्षेत्र के विस्तार से आवारा कुत्तों की अनुमानित आबादी लगभग 3.75 लाख हो गई है, लेकिन रिकॉर्ड बताते हैं कि अब तक केवल 1.5 लाख कुत्तों की नसबंदी की गई है।

पंजाब सरकार के राज में गढ़शंकर बीत के 36 गांव सेहत सुविधाओं से वंचित

होशियारपुर , भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद अविनाश राय खन्ना ने कहा कि जब प्रदेश की बागडोर अकाली–भाजपा सरकार के हाथों में थी तब गढ़शंकर के बीत इलाके में स्थित बीनेवाल गांव में लोगों को सेहत सुविधाएं मुहैय्या करवाने के लिए अकाली–भाजपा सरकार की तरफ से प्राईमरी हैल्थ सैंटर खोला गया था परंतु प्रदेश की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी के राज में गढ़शंकर बीत के करीब 36 गांव सेहत सुविधाओं से वंचित हो गए हैं। उक्त विचार खन्ना ने इस मामले पर प्रदेश की आप सरकार को घेरते हुए व्यक्त किए। खन्ना ने कहा कि पहले आम आदमी पार्टी सरकार ने बेहतर ढंग से चल रहे पी.एच.सी. सैंटरों को डी–ग्रेड कर उन्हें आम आदमी क्लीनिकों में तब्दील कर दिया और अब गढ़शंकर के बीनेवाल स्थित प्राईमरी हैल्थ सैंटर के बंद होने का मामला सामने आने से यह लगता है कि आने वाले समय में प्रदेश के लोग सेहत सुविधाओं से पूरी तरह वंचित हो जाएंगे।खन्ना ने बताया कि बीनेवाल में अकाली–भाजपा सरकार द्वारा खोले गए इस प्राईमरी हैल्थ सैंटर से बीत क्षेत्र के करीब 36 गांव सेहत सुविधाएं ले रहे थे। इसके पश्चात यह पी.एच.सी. अस्पताल बना दिया गया परंतु आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने के बाद इस अस्पताल में सेहत सुविधाओं पर जैसे विराम ही लग गया है। जनता की व्यथा के अनुसार यहां के डॉक्टर 2 बजे ही अस्पताल से भाग जाते थे और अब यहां कोई डॉक्टर ही नहीं मिलता।

भूजल की कमी के चरम बिंदु की ओर बढ़ रहा भारत

नई दिल्ली, भारत तेजी से भूजल की कमी के चरम बिंदु की ओर बढ़ रहा है। कुछ इलाके पहले से ही इस चरम बिंदु को पार कर चुके हैं और 2025 तक इसका असर दिखना भी शुरू हो जाएगा। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी है। इसमें कहा गया है कि जैसे ही पानी की कमी होगी, उससे खाद्य उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होगा। इससे दुनियाभर में भी खाद्य संकट गहरा जाएगा।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 70 प्रतिशत भूजल का इस्तेमाल खेती के कामों में किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र यूनिवर्सिटी– इंस्टीट्यूट फार एनवायरनमेंट एंड ह्यूमन सिक्योरिटी की ओर से तैयार की गई ह्रइंटरक्नेक्टेड डिजास्टर रिस्क रिपोर्ट 2023ह्व के अनुसार भारत में सिंधु–गंगा के मैदान के कुछ क्षेत्र पहले ही भूजल की कमी के खतरनाक बिंदु को पार कर चुके हैं और पूरे उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र में अगले दो साल में भूजल की उपलब्धता का गंभीर संकट सामने आने की आशंका है। इसमें कहा गया है कि दुनिया में छह पर्यावरणीय प्रणालियां महत्वपूर्ण चरम बिंदु पर पहुंच रही हैं। इसमें तेजी से जीव विलुप्त होंगे, भूजल का स्तर तेजी से गिरेगा, ग्लेशियर तेजी से पिघलेंगे, अंतरिक्ष में कचरे की समस्या पैदा होगी, असहनीय गर्मी पड़ेगी और और भविष्य को लेकर चिंताएं और बढ़ेंगी। पर्यावरणीय चरम बिंदु धरती की प्रणालियों में महत्वपूर्ण सीमाएं हैं। इनके लांघने पर तेजी से विनाशकारी बदलाव होते हैं।

लोकसभा में अकेले लडने के विल्कप पर मंथन कर रही सपा!

लखनऊ ,मध्य प्रदेश चुनाव में सीटों को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच चल रहा द्वंद और गहराता जा रहा है। अब ऐसा अंदेशा है कि सपा अकेले दम पर चुनावी मैदान में उतर सकती है। सपा द्वारा 31 अक्टूबर को बुलाई गई राज्य कार्यकारिणी की बैठक को इस बात पर बल मिलता दिखाई दे रहा है। राजनीतिक जानकर कहते हैं कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस का दावा है कि वह सभी 80 सीटों पर तैयारी कर रही है, वहीं समाजवादी पार्टी ने अपनी लोकजागरण यात्रा व प्रशिक्षण शिविर भी सभी लोकसभा क्षेत्रों में करने का निर्णय लिया है। सपा ने 31 अक्टूबर को अपनी राज्य कार्यकारिणी की बैठक बुलाकर एक संदेश देने की कोशिश की है।

देश में सातवें नंबर पर सबसे प्रदूषित मेरठ, एआई रहा 240, तापमान में आई गिरावट

मेरठ , एनसीआर में लगातार प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। मेरठ के एयर क्वालिटी इंडेक्स के लगातार बढने से शहरवासियों की सेहत पर भी वार हो रहा है। बुधवार को देश में मेरठ सातवे नंबर पर सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल रहा। एक्यूआई स्तर 240 दर्ज किया गया। मेरठ के इलाकों की बात करें तो पल्लवपुरम सबसे अधिक प्रदूषित रहा।एनसीआर में सर्दियों में बढने वाले एक्यूआई स्तर पर लगाम लगाने के लिए ग्रेप सिस्टम पहले ही लागू कर दिया गया था, लेकिन इसके बाद भी एयर क्वालिटी इंडेक्स पर काबू नहीं पाया जा सका है। लगातार स्तर बढने से शहरवासियों को प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। सुबह–शाम की सैर करने को लेकर चिकित्सक भी मना कर रहे हैं। वहीं, लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी है। दिन ढलते ही शहर पर धुंध की चादर भी छाने लगी है।मेरठ का एयर क्वालिटी

इंडेक्स 240 दर्ज किया गया। मेरठ में सबसे अधिक पल्लवपुरम में 250 एक्यूआई का स्तर दर्ज किया गया। जयभीमनगर में 238 व गंगानगर में 243 एक्यूआई दर्ज किया गया। इसके अलावा मौसम में भी बदलाव आने लगा है। दिन व रात के तापमान में गिरावट दर्ज होने लगी है। मौसम कार्यालय पर दिन का अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सिस व न्यूनतम तापमान 14.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही का कहना है कि मौसम में बदलाव का दौर बनेगा, जिस कारण दिन व रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

राजस्थान में युवाओं के भविष्य के साथ हो रहा है खिलवाड़ : गजेंद्र सिंह शेखावत

नई दिल्ली , केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान पेपरलीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कांग्रेस राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा और राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत पर जांच के संबंध में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लगातार पिछले 5 वर्षों से राजस्थान में कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार ने भ्रष्टाचार के सभी मानबिंदुओं को पार कर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। राजस्थान में जिस तरह से युवाओं के भविष्य को अंधकार में डालते हुए एक से लेकर 19वें प्रकरण के मामले सामने आये हैं, उसके परिणामस्वरूप प्रदेश के 70 लाख युवाओं का भविष्य अंधकारमय हुआ पड़ा है। अपितु गहलोत सरकार द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यमों में भर्ती की व्यवस्था पर से भी प्रदेश के युवाओं, लोगों, परिवारजनों का विश्वास समाप्त हो गया। गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने वक्तव्य में कहा कि उन 70 लाख युवाओं में से निश्चित ही अधिकांश युवा किसी गरीब, किसान, साधारण, आदिवासी या दलित परिवार के बेटे या बेटी थे, जिन्होंने पेट काटकर अपने बच्चों सरकारी नौकरी के सपने संजोए थे, जिसके उनके जीवन में एक स्थाईत्व आएगा और उनके परिवार का सम्मान भी एक बार फिर पुनः स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि यह बात सोचनीय है कि पहले पेपर लीक से लेकर के 19 वें पेपर लीक तक लगातार सरकार और सरकार में बैठे हुए लोग इसपर लिपापोती करते हुए नजर आ रहे हैं । प्रारंभ के पेपर लीक के समय गहलोत साहब ने प्रतिक्रिया देते हुए फौरी तौर पर ये कहा कि इस तरह की घटनाएं सामान्य बात है और अन्य प्रदेशों में भी इस तरह की घटनाएं होती है। गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने अपने राग में बदलाव करते हुए दूसरा सुर अपनाया और कहा कि वे जांच करेंगे, क्रम न थमने तक। उन्होंने फिर तीसरा सुर अपनाया और कहा कि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी इसमें लिप्त नहीं है।18वें पेपर लीक के बाद बीजेपी ने प्रचंड आंदोलन राजस्थान के प्रत्येक जिले में खड़ा किया, इसके बाद से ही पेपर लीक मामलें में जांच शुरू की गई। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों का अभिनंदन करते हुए कहा कि मीडिया ने जिस निर्भीकता और निष्पक्षता के पेपर लीक से जुड़े विषयों को देश–प्रदेश की जनता के सामने रखा, उसके दवाब में आकर ही गहलोत सरकार को कुछ फौरी तौर पर कार्रवाई करनी पड़ी और कार्रवाई कुछ कदम चली। आपको ज्ञात हो कि भाजपा के पुरजोर विरोध के कारण ही पेपरलीक मामले में संलिप्त आरपीएससी सदस्य और मंत्री पद पर बैठे व्यक्ति को जेल भेजना पड़ा। पेपर लीक प्रकरण में ईडी के प्रवेश के बाद इसके सरगना की गिरफ़्तारी हुई और सरगना की गिरफ़्तारी के बाद जिस तरह के तार जुड़ते हुए प्रतीत हुए उनके चलते हुए ईडी ने जो हालिया कार्रवाई की है उन कार्रवाईयों का परिणाम यह है कि आज सरकार बैकफूट है और बौखलाई हुई नजर या रही है। गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार का ये संकल्प पहले दिन से रहा है कि हम किसी भी क्षेत्र में भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेंगे और भ्रष्टाचार के प्रति ज़ीरो टॉलरन्स की नीति अपनाते हुए हम इस दृष्टिकोण से आचरण और व्यवहार करेंगे। इस पेपर लीक केस में एसओजी और एंटी करप्शन ब्यूरो जो राजस्थान सरकार के मुखिया अशोक गहलोत साहब के अधीन काम करती है, गृहमंत्री और मुख्यमंत्री होने के नाते इसपर डायरेक्ट कंट्रोल एण्ड कमांड मुख्यमंत्री का है। जब मुख्यमंत्री स्वयं आगे चल कर के इस तरह की क्लीन चिट अधिकारियों और नेताओं को दे रहे थे तब कोई भी कार्रवाई निष्पक्ष रूप से इन एजेंसियों के द्वारा हो सकेगी इसकी संभावना राजस्थान की जनता के मन में समाप्त हो गई थी। राजस्थान एंटी करप्शन ब्यूरो में सेवानिर्वत्त डायरेक्टर जनरल श्री बीएल सोनी साहब ने खुद वीडियो संदेश के माध्यम से यह कहा था कि सरकार बड़ी मछलियों पर हाथ डालने नहीं देती थी हम पर दबाव डालकर के रोकती थी। अब जब इस प्रकरण से जुड़ी हुई बड़ी मछलियों पर ईडी ने कार्रवाई करना प्रारंभ किया है तब निश्चित ही सरकार में बैठे हुए लोगों को अपनी धरती हिलती, धसती और अपनी कुर्सी खिसकती हुई प्रतीत होती है। परिणामस्वरूप इसके चलते ही वो ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की फौरी प्रतिक्रियाएं करते हैं।

वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं ग्रेग चैपल

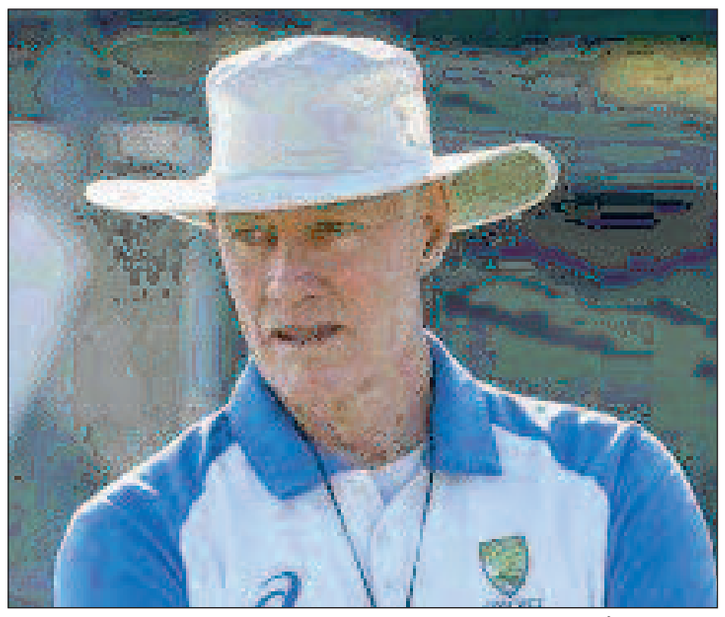

मेलबर्न ,पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ग्रेग चैपल ने खुलासा किया है कि वह वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं और उन्होंने स्वीकार किया कि वह विलासिता का जीवन नहीं जी रहे हैं क्योंकि उनके दोस्त उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए ऑनलाइन धन जुटाने पर जोर दे रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, जिन्होंने 2005–2007 तक भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया था, ने 1970 और 80 के दशक के दौरान 87 टेस्ट मैचों में 24 शतक बनाए और 48 बार ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया।

चैपल ने बताया, मैं निश्चित रूप से यह नहीं चाहता कि ऐसा लगे कि हम बेहद तनाव में हैं, क्योंकि हम नहीं हैं – लेकिन हम विलासिता में भी नहीं रह रहे हैं। मुझे लगता है कि अधिकांश लोग यह मान लेते हैं कि, क्योंकि हमने क्रिकेट खेला है, कि हम सभी विलासिता की गोद में जी रहे हैं। हालांकि मैं निश्चित रूप से दुख का रोना नहीं रो रहा हूं, हम उन लाभों का लाभ नहीं उठा रहे हैं जो आज के खिलाड़ियों को मिल रहा है।

उन्होंने आगे कहा, यह सिर्फ मेरे दोस्त हैं जिन्हें एहसास हुआ कि हमें बहुत कुछ नहीं मिला और बस यह सुनिश्चित करना था कि जूडी और मैं अपनी सेवानिवृत्ति में सहज थे।रिपोर्ट के अनुसार, चैपल अनिच्छा से उनके लिए एक गोफ़ंडमी पेज स्थापित करने के लिए सहमत हुए, साथ ही पिछले हफ्ते मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में आयोजित एक प्रशंसापत्र लंच – एडी मैकगायर द्वारा आयोजित और इयान भाइयों सहित क्रिकेट के महान खिलाड़ियों ने भाग लिया।चैपल ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि वह वित्तीय कठिनाइयों का सामना करने वाले अपने युग के एकमात्र खिलाड़ी नहीं हैं।

निष्पक्ष होने के लिए, हमारे युग के अन्य लोग भी हैं जो अधिक गंभीर परिस्थितियों में हैं जो मदद कर सकते हैं और मुझे नहीं लगता कि खेल ने उस युग के खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त काम किया है। विशेष रूप से आज के युग के साथ तुलना के संबंध में।

चैपल ने कहा, मेरा मानना है कि आज जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए परिदृश्य तैयार करने वाले खिलाड़ियों को शायद उस भूमिका के लिए पहचाना जाना चाहिए जो उन्होंने खेल को आज इस मुकाम पर पहुंचाने में निभाई है।

ग्रेग चैपल फाउंडेशन भी चलाते हैं, जो बेघरों के लिए दान के लिए धन जुटाता है और यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक वर्ष प्रत्येक प्रतिशत वितरित किया जाए और चैपल अपने लिए कोई पैसा नहीं रखते हैं।

चैपल के मित्र पीटर मैलोनी ने कहा, चैपल फाउंडेशन दर्शक मेहता द्वारा चलाया जाता है और जो पैसा जुटाया जाता है उसका 100 प्रतिशत वितरित किया जाता है।

वे इसे सालाना वितरित करते हैं इसलिए प्रत्येक वर्ष के अंत में, वे कोई पैसा नहीं छोड़ते हैं और वे नए सिरे से शुरुआत करते हैं। यदि आप अपना नाम किसी फाउंडेशन में रखते हैं तो आप उसमें से कुछ पैसे लेने के हकदार हैं। लेकिन ग्रेग ने इसमें से एक प्रतिशत भी नहीं लिया है, जबकि वह ले सकता था।

मुझे लगता है कि यह विडंबना थी कि वह इसका चेहरा थे और हर समारोह में शामिल होते थे और वह यह सारा पैसा जुटा रहे थे जबकि उनके पास खुद के लिए बहुत कुछ नहीं था।

मैलोनी ने कहा, इसे इस तरह से कहें, तो हम संभवतः इसमें से लगभग 250,000 डॉलर जुटा लेंगे और इससे उनके पिछले कुछ वर्षों में काफी वृद्धि होगी।

उन्होंने जनवरी 1984 में ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट इतिहास में सबसे अधिक रन (7110) बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में टेस्ट से संन्यास ले लिया, और सर डोनाल्ड ब्रैडमैन के 6996 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

भारत का शानदार प्रदर्शन जारी, पैरा एथलीट रमन शर्मा ने जीता गोल्ड, तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली , एशियन पैरा गेम्स में भारतीय पैरा एथलीटों का शानदार प्रदर्शन जारी है। इसी बीच भारत के एक और पैरा एथलीट ने कमाल करते हुए देश के लिए गोल्ड मेडल जीता है। पैरा एथलीट रमन शर्मा ने चीन के हांगझू में चल रहे एशियन पैरा गेम्स के 1500 मीटर टी38 इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर कई बड़े रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने इस मेडल के साथ ही एशियाई और खेल रिकॉर्ड भी तोड़ डाला।

एशियन पैरा गेम्स में रमन शर्मा ने 4.20.80 मिनट में दौड़ पूरी कर फाइनल जीता। इस उपलब्धि के साथ ही टूर्नामेंट में भारत ने अपना 20वां गोल्ड मेडल भी जीत लिया है। इससे पहले आज, तीरंदाज शीतल देवी ने फाइनल में सिंगापुर की अलीम नूर सयाहिदा को 144–142 से हराकर महिलाओं की व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन इवेंट में गोल्ड मेडल जीता है। भारतीय पैरा–एथलीटों ने गुरुवार को इतिहास रचते हुए एक बड़ा कारनामा कर दिया। भारत ने एशियन पैरा गेम्स के इतिहास में अब तक के सभी रिकॉर्ड को तोड़ते हुए अपने सबसे ज्यादा मेडल जीतने का कीर्तिमान हासिल किया है, इससे पहले भारत ने साल 2018 में कुल 72 पदकों के साथ अपने सीजन को खत्म किया था। लेकिन भारत ने इस साल खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स में अब तक 80 से अधिक पदक जीते हैं और चीन के हांगझू में शोपीस इवेंट में मजबूत स्थिति में है।

भारतीय एथलीटों के इस रिकॉर्ड–तोड़ उपलब्धि के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि एशियाई पैरा खेलों में एक बड़ी उपलब्धि, जिसमें भारत ने अभूतपूर्व 73 पदक जीते और अभी भी मजबूत स्थिति में है, जकार्ता 2018 एशियाई पैरा खेलों से 72 पदकों के हमारे पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया! यह महत्वपूर्ण अवसर हमारे एथलीटों के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। जोरदार स्वागत हमारे असाधारण पैरा–एथलीटों के लिए जिन्होंने इतिहास में अपना नाम दर्ज किया है, हर भारतीय के दिल को अपार खुशी से भर दिया है। उनकी प्रतिबद्धता, दृढ़ता और उत्कृष्टता हासिल करने की अटूट इच्छा वास्तव में प्रेरणादायक है! यह ऐतिहासिक उपलब्धि एक मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में काम करेगी, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

वेनेजुएला शीर्ष 50 में लौटा, अर्जेंटीना की बढ़त बरकरार

ज्यूरिख ,इस महीने की शुरुआत में 165 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले गए, जिनमें फीफा विश्व कप के 26 क्वालीफायर, महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं के प्रारंभिक दौर के मुकाबले और कॉनकाकाफ नेशंस लीग के मुकाबले मुख्य आकर्षण रहे।इन फिक्स्चर ने निश्चित रूप से एक छाप छोड़ी, जिसमें फीफा विश्व रैंकिंग का नवीनतम संस्करण भी शामिल है।

हालांकि, शीर्ष तीन में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अर्जेंटीना (प्रथम) ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी फ्रांस पर अच्छी बढ़त (8.18 अंक) बनाए रखी है।

इस बीच, लेस ब्लेस ने दूसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, जिससे उनके और ब्राजील (तीसरे) के बीच का अंतर (जो अब 40.91 अंक है) बढ़ गया है।वेनेजुएला से घरेलू मैदान पर 1–1 से बराबरी पर छूटने और उरुग्वे से 2–0 से हार के बावजूद इंग्लैंड (चौथे) अपने स्थान पर बना हुआ है।बेल्जियम शीर्ष 5 में बना हुआ है, लेकिन पुर्तगाल (6वें, 2वें स्थान ऊपर) दरवाजे पर दस्तक दे रहा है और बेल्जियम की नजरें भी पुर्तगाल पर होंगी। अपने इबेरियन पड़ोसियों की तरह, स्पेन (8वें, 2वें स्थान ऊपर) ने भी प्रगति की है – वे अब नीदरलैंड्स (7वें) के बाद अगले स्थान पर हैं।इसके बाद इटली (9वें) और क्रोएशिया (4 स्थान नीचे, 10वें) आते हैं, 2018 फीफा विश्व कप के उपविजेता रूस ने हाल की असफलताओं के बावजूद शीर्ष दस में अपना स्थान बरकरार रखा है।

ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड को हुआ 16.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर का घाटा, रिपोर्ट में खुलासा

मेलबर्न ,क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 2022 पुरुष टी20 विश्व कप की मेजबानी के माध्यम से 43 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई के बावजूद 2022–23 वित्तीय वर्ष के लिए 16.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर के नुकसान की सूचना दी है।एक बयान में कहा गया कि गैर–एशेज वर्ष के दौरान कम मीडिया अधिकारों और मैच राजस्व के साथ राजस्व चक्र में अपेक्षित कम अंक के कारण नुकसान हुआ। हालांकि पुरुषों के टी 20 विश्व कप में स्टेडियमों में भारी भीड़ देखी गई। जिसमें एमसीजी में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के लिए 92,000 फैंस शामिल थे। बयान में कहा गया, खिलाड़ियों के भुगतान को छोड़कर कुल खर्च में 5ब की वृद्धि हुई है।वित्तीय वर्ष के दौरान, सीए ने 2024–31 तक ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट के प्रसारण के लिए फॉक्सटेल ग्रुप और सेवन वेस्ट मीडिया के साथ 1.512 बिलियन डॉलर के सात–वर्षीय मीडिया अधिकार समझौते पर हस्ताक्षर किए और ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण के अधिकार के लिए डिज़नी स्टार के साथ एक नया सात–वर्षीय समझौता किया।

मुझे खुद पर बहुत भरोसा है..., बटलर

बेंगलुरू , इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा है कि आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में श्रीलंका से मिली निराशाजनक हार के बाद वह कप्तान बने रहने पर अड़े हुए हैं, जिससे टीम की खिताब की रक्षा की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गई है।

एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम में इंग्लैंड की टीम 156 रन पर आउट हो गई, जिसे श्रीलंका ने 26 ओवर में हासिल कर लिया और थ्री लायंस को आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जो इस शोपीस इवेंट में पांच मैचों में उनकी चौथी हार थी।

श्रीलंका से हार गणितीय रूप से इंग्लैंड को सेमीफ़ाइनल स्थान की दौड़ से बाहर नहीं करती है, लेकिन बटलर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम की उम्मीदें टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार और मेज़बान भारत के खिलाफ रविवार को लखनऊ में होने वाले मैच से पहले खत्म हो गई हैं।

उन्होंने कहा, निश्चित रूप से ऐसा ही लग रहा है और यह अविश्वसनीय रूप से निराशाजनक है। आप भारत आने के लिए विमान में बैठें और हम एक टीम के रूप में वास्तव में अच्छी स्थिति में थे। ऐसा लग रहा है कि सब कुछ योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है और यह बिल्कुल भी काम नहीं कर रहा है।बटलर ने अपनी कप्तानी में इंग्लैंड को पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब दिलाया था। लेकिन वनडे टीम के प्रभारी के रूप में उनका समय कई बार निराशाजनक रहा है, 2022 में इयोन मोर्गन से पदभार संभालने के बाद से मिश्रित परिणाम सामने आए हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह कप्तान बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं, बटलर ने कहाः मुझे लगता है कि आप एक कप्तान के रूप में हमेशा सवाल करते रहते हैं कि आप खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ कैसे प्राप्त कर सकते हैं, आप टीम को सही दिशा में कैसे आगे बढ़ा सकते हैं। मेरे पास निश्चित रूप से बहुत कुछ है। एक नेता और कप्तान के रूप में और सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण एक खिलाड़ी के रूप में खुद पर विश्वास, लेकिन अगर आप पूछ रहे हैं कि क्या मुझे अभी भी टीम की कप्तानी करनी चाहिए, तो यह मेरे से ऊपर के लोगों के लिए एक सवाल है।

गत चैंपियन को टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ विकेट से हार मिली थी, अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को हराया था, लेकिन उसके बाद अफगानिस्तान से उसे झटका लगा और गुरुवार को अपनी नवीनतम हार से पहले दक्षिण अफ्रीका ने उसे रिकॉर्ड अंतर से हराया। उन्होंने कहा, कोई और नहीं है जो आपके रन बना सके या आपके विकेट ले सके। यह शुरुआत से आता है, सामने वाले कप्तान से। मैं अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी पीछे हूं। एक नेता के रूप में, आप अपना नेतृत्व करना चाहते हैं खुद का प्रदर्शन, और मैं ऐसा करने में सक्षम नहीं हूं।

फिल्मी दुनियां

रवि चरण की रोमांचक पैन इंडिया फिल्म नवाब का फर्स्ट लुक जारी

प्रशंसित फिल्म निर्माता रवि चरण द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म नवाब, अपना दिलचस्प फर्स्ट लुक पोस्टर प्रस्तुत करती है। हरिहर क्रिएशन्स के प्रतिष्ठित बैनर के तहत निर्मित, नवाब एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव होने का वादा करता है जो सीमाओं और भाषा से परे है।

नवाब का फर्स्ट लुक पोस्टर साज़िश और तीव्रता की दुनिया का खुलासा करता है। किरकिरा और कच्चा चित्रण एक रहस्यमय नायक को दर्शाता है, जिसे प्रतिभाशाली मुकेश गुप्ता ने चित्रित किया है, जो एक उजाड़ डंप यार्ड की पृष्ठभूमि के खिलाफ नकदी से भरे माहौल में डूबा हुआ है। मुख्य पात्र द्वारा अवज्ञा की आभा के साथ सिगार पीते हुए और खून के धब्बे जो अपनी खुद की एक कहानी बताते हैं, से रहस्यमय दृश्य और भी तीव्र हो जाता है। यह शुरुआती झलक निस्संदेह कुछ असाधारण बनने की ओर इशारा करती है।

फिल्म निर्माताओं ने खुलासा किया है कि नवाब डंप यार्ड की दिलचस्प दुनिया में गहराई से उतरती है, एक एड्रेनालाईन–पंपिंग कहानी का वादा करती है जो दर्शकों को उनकी सीटों से बांधे रखती है। जहां एक्शन से भरपूर दृश्य फिल्म के केंद्र में हैं, वहीं नवाब रोमांचक तत्व और भावनात्मक दृश्य भी पेश करेगा जो निश्चित रूप से दर्शकों के दिलों को झकझोर देंगे।

नवाब का फिल्मांकन तेज गति से चल रहा है, पोस्ट–प्रोडक्शन का काम जल्द ही शुरू होने वाला है। फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।

निर्देशक रवि चरण, जो नल्लामाला में समीक्षकों द्वारा प्रशंसित काम के लिए जाने जाते हैं, नवाब के शीर्ष पर हैं और यह फिल्म उनकी सिनेमाई यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित होने का वादा करती है। प्रसिद्ध डांस मास्टर, प्रेम रक्षित मास्टर, जो ऑस्कर विजेता फिल्म आरआरआर में नाटू नाटू गाने को कोरियोग्राफ करने के लिए प्रसिद्ध हैं, नवाब के लिए कोरियोग्राफर के रूप में अपनी विशेषज्ञता दे रहे हैं।

टाइगर नागाश्वेरा राव में रवि तेजा संग काम करने पर बोली नुपुर सेनन, वह अद्भुत अभिनेता और बेहतर इंसान हैं

हालिया रिलीज टाइगर नागेश्वर राव से डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस नुपुर सेनन ने अपने को–स्टार व तेलुगु सुपरस्टार रवि तेजा की प्रशंसा की है। एक्ट्रेस ने कहा है कि वह एक अद्भुत अभिनेता होने के साथ–साथ एक अद्भुत इंसान भी हैं। टाइगर नागेश्वर राव के लिए निर्देशक वामसी ने नुपुर सेनन को फाइनल करने से पहले फिल्म में कास्ट करने के लिए 200–300 लड़कियों का ऑडिशन लिया था। बता दें, नूपुर बॉलीवुड स्टार कृति सेनन की बहन हैं और उन्हें टाइगर नागेश्वर राव में शानदार काम के लिए काफी पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहा है। रवि के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए नूपुर ने कहा, "यह एक मैजिकल एक्सपीरियंस था। वह एक अद्भुत अभिनेता और बेहतर इंसान हैं।

मैंने उनको लेकर सोचा था कि वह सीरियस टाइप के इंसान होंगे और कम बातें कर होंगे, लेकिन मैं गलत थी। पहले दिन से, वह मेरी सोच से बिल्कुल अपोजिट निकले।

22 साल की उम्र में अवनीत कौर लगती हैं कमसिन हसीना, हद से ज्यादा करती खुद को एक्सपोज!

22 साल की एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस फैंस के बीच आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक शेयर कर एक बार फिर से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी डैशिंग पर्सनेलिटी देख उनके चाहने वालों के होश उड़ गए हैं।

टीवी से बॉलीवुड तक में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा अपने लुक्स से फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में अवनीत कौर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में एक बार फिर से अपनी हॉटनेस से फैंस दिलों में खलबली मचा दी है। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। अदाकारा अवनीत कौर ने अपने इस फोटोशूट के दौरान रेड कलर की फ्रंट कट थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस लग रही थीं। हालांकि उनके चाहने वाले भी एक्ट्रेस के इस लुक को देखकर उनके कातिलाना अदाओं के दीवाने हो गए थे। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। अवनीत कौर अपनी इन फोटोज में कैमरे में खुद को हद से ज्यादा एक्सपोज करते हुए एक से बढ़कर एक सेक्सी अंदाज में पोज देते हुए कहर ढा रही हैं।

लियो के आगे भी डटी है भगवंत केसरी! हिंदी फिल्मों को दी मात

नंदमुरी बालाकृष्णा की फिल्म भगवंत केसरी बॉक्स ऑफस पर जमकर नोट छाप रही है. फिल्म बिना किसी खास प्रोमोशन के भी धुआंधार कमाई कर रही है. फिल्म 19 अक्टूबर को विजय थलापति की लियो के साथ थिएटर्स में रिलीज हुई थी और क्लैश के बावजूद फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है.रिपोर्ट के मुताबिक भगवंत केसरी ने अपनी रिलीज के सातवें दिन 5.00 करोड़ की कमाई की थी. अब फिल्म के छठें दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है जिसके मुताबिक फिल्म गुरुवार को 4 करोड़ का कारोबार कर सकती है.

इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 65.65 करोड़ रुपए हो जाएगा.एक तरफ जहां साउथ सुपरस्टार विजय थलापति की लियो बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ नंदमुरी बालाकृष्णा की फिल्म भी थिएटर्स में डटी हुई है. वर्ल्डवाइड भी भगवंत केसरी 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है. फिल्म ने दुनियाभर में 104 करोड़ रुपए कमा लिए हैं.

रक्षित शेट्टी की सप्त सागरदाचे एलो– साइड बी 17 नवंबर को होगी रिलीज

कन्नड़ फिल्म सप्त सागरदाचे एलो के पहले पार्ट की भारी सफलता के बाद, जिसका टाइटल सप्त सागरदाचे एलो– साइड ए है, एक्टर रक्षित शेट्टी ने साइड–बी की रिलीज की तारीख की घोषणा की है। सूत्रों की मानें तो साइड–बी 17 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगा।

रक्षित शेट्टी ने एक्स पर लिखा, क्या भाग्य की दिशा में बदलाव आएगा? सप्त सागरदाचे एलो – साइड बी 17 नवंबर को कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज होगी।

रोमांस ड्रामा–थ्रिलर फिल्म सप्त सागरदाचे एलो–साइड ए मनु नाम के एक ड्राइवर की कहानी है, जो चाहता है कि उसकी गर्लफ्रेंड प्रिया उसके साथ चले। खुशहाल कपल की जिंदगी में तब तूफान आता है, जब मनु को उस अपराध के लिए जेल जाना पड़ता है जो उसने किया ही नहीं है।

ये परिस्थितियां उनके रिश्ते में दरार डालने लगती हैं। एक तरफ मनु अपने सपनों को फिर से प्रिया संग संजोना शुरू करता है, लेकिन प्रिया जीवन जीने के लिए सुरक्षित हमसफर की तलाश में होती है।

प्रेम, त्याग, भावनात्मक उथल–पुथल की कहानी पर आधारित इस फिल्म को दर्शकों और आलोचकों से समान रूप से अपार प्रशंसा मिली और एक कठिन मोड़ पर समाप्त होने के बाद, दूसरे भाग यानी साइड बी का उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा था।

साइड बी की रिलीजिंग डेट अक्टूबर महीने की थी, लेकिन प्रोडक्शन समस्या के चलते निर्माताओं को इसके रिलीज की तारीख को 17 नवंबर तक बढ़ानी पड़ी।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा
प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com